RNI/MPHIN/58453/2014

दैनिक हैलो डे

वर्ष-12, अंक-58
इन्दौर, शुक्रवार 16 जनवरी 2026
पृष्ठ-8, मूल्य-3 रुपए

राहुल गांधी बोले: पानी पीकर लोग मर रहे, यही अर्बन मॉडल

इंदौर में मृतकों के परिजन को डेढ़-डेढ़ लाख के चेक दिए; कहा- सरकार जिम्मेदारी ले

इन्दौर (नप्र)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी शनिवार को इंदौर पहुंचे। दूषित पानी पीने से बीमार हुए मरीजों और मृतकों के परिजन से मुलाकात की। राहुल सबसे पहले बॉम्बे हॉस्पिटल गए, जहां उन्होंने दूषित पानी से पीड़ित मरीजों और परिजन से मुलाकात की। मृतकों के परिजन से मिलने के बाद राहुल ने कहा ये नए मॉडल की स्मार्ट सिटी है। पीने का पानी नहीं है। परिवार पानी पीने के बाद बीमार हुए।

यानी इंदौर में साफ पानी नहीं मिल सकता है। ये है अर्बन मॉडल। सरकार अपनी जिम्मेदारी नहीं निभा रही है। इससे पहले राहुल भागीरथपुरा पहुंचे और दूषित पानी से जान गंवाने वाली गीता बाई और जीवनलाल के परिवार से मिले। दोनों परिवारों को उन्होंने एक-एक लाख का चेक दिया। इसके बाद राहुल गांधी संस्कार गार्डन पहुंचे। यहां उन्होंने अन्य प्रभावित परिजन से मुलाकात की। सभी को डेढ़-डेढ़ लाख रुपए का चेक भी सौंपा।

राहुल के साथ पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह, प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार और अजय सिंह भी रहे। भागीरथपुरा में मृतकों के परिजन से मिलने के बाद राहुल ने कहा- इनके परिवार में लोगों की डेथ हुई है। लोग बीमार हुए हैं। ये कहा जाता था कि देश को स्मार्ट सिटी दी जाएंगी। ये नए मॉडल की स्मार्ट सिटी है। पीने का पानी नहीं है। लोगों को डराया जा रहा है। सारे के सारे परिवार पानी पीने के बाद बीमार हुए। यानी इंदौर में साफ पानी नहीं मिल सकता है। पानी पीकर लोग मरते हैं। ये है अर्बन मॉडल।

सरकार को जिम्मेदारी लेनी चाहिए...

राहुल ने कहा- ये सिर्फ इंदौर में नहीं है। अलग-अलग शहरों में यही हो रहा है। सरकार अपनी जिम्मेदारी नहीं निभा रही है। सरकार में कोई तो जिम्मेदार होगा, जिसने यहां ये काम करवाया है। कोई तो जिम्मेदारी सरकार को लेनी चाहिए। लोगों ने जो इलाज कराया है, मौतें हुई हैं उसके लिए सरकार को मुआवजा तो देना चाहिए।

रहवासियों ने बताया- साफ पानी नहीं मिल रहा

राहुल बोले कि उनको रहवासियों ने बताया कि ये जो टंकी है ये सिंबल है। आज भी साफ पानी नहीं मिल रहा है। बैन लगा दिया है, लेकिन कुछ दिन में हटा दिया जाएगा और फिर वही पानी दिया जाएगा। लोग कह रहे हैं जो सरकार की जिम्मेदारी है उसे पूरा करे।

राजनीति के सवाल पर बोले- मदद करने आया

आप यहां राजनीति करने आए हैं? इस सवाल के जवाब में राहुल ने कहा- मैं उनको सपोर्ट करने यहां आया हूं। मैं विपक्ष का नेता हूं। यहां उनका मुद्दा उठाने उनकी मदद करने आया हूं। इसमें कोई गलत काम नहीं है। मेरी जिम्मेदारी बनती है कि हमारी देश में लोगों को साफ पानी नहीं मिल रहा है तो मदद करूं। मैं इनके साथ खड़ा हूं। आप इनको साफ पानी दिलवाइए।

(शेष पृष्ठ 2 पर)

26 जनवरी को खालिस्तानी आतंकी हमला कर सकते हैं दिल्ली पर, अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। खुफिया एजेंसियों ने गणतंत्र दिवस से पहले अलर्ट जारी किया है। इसमें चेतावनी दी गई है कि प्रतिबंधित खालिस्तानी संगठन और बांग्लादेश आधारित आतंकी समूह 26 जनवरी के अवसर पर नई दिल्ली सहित देश के कई अन्य शहरों को निशाना बनाने की कोशिश कर सकते हैं।

खुफिया सूत्रों के अनुसार, विदेशों से संचालित खालिस्तानी और कट्टरपंथी हैंडलर पंजाब के गैंगस्टरों को अपने फुट सोल्जर के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं। ये गैंगस्टर हरियाणा, दिल्ली-एनसीआर, उत्तर प्रदेश और राजस्थान में सक्रिय हैं। ये धीरे-धीरे खालिस्तानी आतंकी तत्वों से संपर्क स्थापित कर रहे हैं। इसका उद्देश्य आंतरिक सुरक्षा को बाधित करना और अशांति फैलाना है। खुफिया एजेंसियों ने गणतंत्र दिवस से पहले अलर्ट जारी किया है। इसमें चेतावनी दी गई है कि प्रतिबंधित खालिस्तानी संगठन और बांग्लादेश आधारित आतंकी समूह 26 जनवरी के अवसर पर नई दिल्ली सहित देश के कई अन्य शहरों को निशाना बनाने की कोशिश कर सकते हैं। खुफिया सूत्रों के अनुसार, विदेशों से संचालित खालिस्तानी और कट्टरपंथी हैंडलर पंजाब के गैंगस्टरों को अपने फुट सोल्जर के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं। ये गैंगस्टर हरियाणा, दिल्ली-एनसीआर, उत्तर प्रदेश और राजस्थान में सक्रिय हैं। ये धीरे-धीरे खालिस्तानी आतंकी तत्वों से संपर्क स्थापित कर रहे हैं। इसका उद्देश्य आंतरिक सुरक्षा को बाधित करना और अशांति फैलाना है। यह अलर्ट गणतंत्र दिवस परेड के मद्देनजर जारी किया गया है, जिसमें सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने की जरूरत पर जोर दिया गया है। दिल्ली पुलिस ने इस खतरनाक स्थिति से निपटने के लिए व्यापक तैयारी की है। जनवरी 2026 के पहले पखवाड़े में उत्तर जिला पुलिस ने संवेदनशील और भीड़भाड़ वाले स्थानों पर कई मॉक ड्रिल आयोजित कीं।

किले में पहली बार लगेंगे सीसीटीवी कैमरे.....

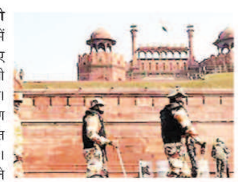

नई दिल्ली (एजेंसी)। लाल किले में सुरक्षा बढ़ाने के लिए पहली बार सीसीटीवी कैमरे लगाए जा रहे हैं। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण ने सात साल की आपत्ति के बाद इसकी मंजूरी दी। 2005 के आतंकी हमले के बाद सुरक्षा चिंताओं के कारण यह निर्णय लिया गया। पहले चरण में 150 कैमरे और हाई-मास्ट फ्लडलाइट्स लगाई जाएंगी, जिससे ऐतिहासिक स्मारक की निगरानी मजबूत होगी। लाल किला परिसर में सुरक्षा और निगरानी के लिए पहली बार सीसीटीवी कैमरे लगाए जा रहे हैं। यह फैसला लगभग सात साल से अटका हुआ था, क्योंकि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने ऐतिहासिक संरचना को नुकसान पहुंचने की आशंका जताते हुए आपत्ति जताई थी। एएसआई के विरोध के कारण यह योजना लंबे समय तक रुकी रही, लेकिन 10 नवंबर 2025 को लाल किले के आसपास हुए आतंकी हमले (कार बम विस्फोट) ने स्थिति बदल दी।

BMC हार के बाद बीजेपी पर हमलावर संजय राउत

‘जयचंद पैदा कर चुनाव जीत रही’

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र निकाय चुनाव में ठाकरे ब्रदर्स को करारी हार का सामना करना पड़ा है, बड़ी बात यह है कि की सालों बाद उद्धव ने बीएमसी भी अपने हाथ से गंवा दी है। ऐसा माना जा रहा है कि बीएमसी को पहली बार एक बीजेपी मेयर मिलने जा रहा है।

अब इस बीच उद्धव गुट के नेता संजय राउत का बयान सामने आया है। इस अप्रत्याशित हार पर उन्होंने पहली प्रतिक्रिया दी है। मीडिया से बात करते हुए संजय राउत ने कहा कि देवेंद्र फड़नवीस राज्य के मुख्यमंत्री हैं। मुख्यमंत्री होने के नाते उनके पास काफी संसाधन हैं... ये नहीं मानना चाहिए कि मुंबई में भाजपा जीती है। मामला बराबरी का रहा है... BMC के सदन में विपक्ष की ताकत सत्ताधारी दल के बराबर है... क्या करेंगे ये लोग? वे मुंबई का सौदा नहीं कर सकते। हर राज्य में हर पार्टी को तोड़कर, ‘जयचंद’ पैदा करके ही भाजपा चुनाव जीतती है। संजय राउत ने इसके बाद बिना नाम लिए एकनाथ शिंदे पर भी वार किया। उन्होंने बोला कि हर राज्य में, हर शहर में ये हर पार्टी को तोड़ते हैं और चुनाव जीतने के लिए ‘जयचंद’ पैदा करते हैं। इनकी हैसियत शून्य के बराबर है। उपमुख्यमंत्री की असली ताकत क्या है? जब तक ये सत्ता में हैं, लोग सलाम करते हैं।

चुनाव में आडवाणी और जोशी नहीं कर सकेंगे मतदान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी के इतिहास में 20 जनवरी 2026 का दिन एक बड़े बदलाव का गवाह बनेगा। 45 साल के नितिन नवीन का पार्टी के अगले राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में निर्विरोध चुना जाना लगभग तय माना जा रहा है। हालांकि इस चुनाव में एक चौंकाने वाली बात यह है कि पार्टी के संस्थापक सदस्य लाल कृष्ण आडवाणी और मुरली मनोहर जोशी पहली बार होगा जब वह मतदान नहीं कर सकेंगे।

‘जिन लोगों ने मेरा घर गिराया...’,

जनता ने उनकी सही जगह दिखा दी : कंगना

मुंबई (एजेंसी)। कंगना रनौत का यह बयान उनकी पुरानी शिकायतों से जुड़ा है, जब 2020 में अविभाजित शिवसेना की सत्ता में बीएमसी ने उनके बांद्रा वेस्ट स्थित बंगले के हिस्से को तोड़ा था।

रनौत ने 2020 की घटना को बदले की कार्रवाई बताया था। बीजेपी ने बीएमसी चुनावों में ऐतिहासिक जीत हासिल की है, जिससे मुंबई में ठाकरे परिवार की लंबे समय से चली आ रही सत्ता का अंत हो गया। इस पर भाजपा सांसद और अभिनेत्री कंगना रनौत ने कहा कि जनता ने उन ताकतों को सही जगह दिखा दी है, जिन्होंने उन्हें गाली दी, उनके घर को तोड़ा और महाराष्ट्र छोड़ने की धमकी दी। कंगना ने ठाकरे परिवार पर तीखा हमला बोलते हुए उन्हें महिलाओं से नफरत करने वाले, धमकाने वाले और भाई-भतीजावाद माफिया बताया। उन्होंने एनडीटीवी से बातचीत में कहा, ‘मैं खुश हूं कि ऐसे लोग महाराष्ट्र से बाहर हो गए हैं। जनता जनार्दन ऐसे महिलाओं से नफरत करने वालों, गुंडों और नेपोटिज्म माफिया को उनकी सही जगह दिखा रही है।’ कंगना रनौत का यह बयान उनकी पुरानी शिकायतों से जुड़ा है, जब 2020 में अविभाजित शिवसेना की सत्ता में बीएमसी ने उनके बांद्रा वेस्ट स्थित बंगले के हिस्से को तोड़ा था। रनौत ने 2020 की घटना को बदले की कार्रवाई बताया था, जो उनकी मुंबई पुलिस पर टिप्पणियों के बाद हुई।

संपादकीय

मनरेगा के बाद खाद्य सुरक्षा कानून में सुधार ?

भारत में मनरेगा (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम) को गरीबी उन्मूलन और आजीविका सुरक्षा की रीढ़ माना जाता है। इस कानून ने ग्रामीण भारत में न्यूनतम आय, पलायन पर नियंत्रण और संकट के समय गरीबों को सहारा देने में एक ऐतिहासिक भूमिका निभाई है। लेकिन रोजगार देकर भूख और कुपोषण की समस्या का स्थायी समाधान संभव नहीं था। यही कारण है, मनरेगा के बाद राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2013 को एक बड़े सामाजिक अधिकार के रूप में भारत में संविधान अधिकार के रूप में इसे लागू किया गया। केंद्र सरकार बदलती आर्थिक-सामाजिक परिस्थितियों में इस कानून में सुधार करते हुए इसे नए स्वरूप में लाना चाहती है। खाद्य सुरक्षा कानून का उद्देश्य देश की दो-तिहाई आबादी को सस्ती दरों पर अनाज उपलब्ध कराना था। इसने भूख के खिलाफ कानूनी अधिकार की अवधारणा के संवैधानिक स्वरूप को मजबूत किया था। बीते एक दशक में जनसंख्या की बढ़ती संरचना, शहरीकरण, प्रवासी श्रमिकों की संख्या और महँगाई मे बड़ा बदलाव आया है। आम आदमियों के जीवन यापन के तरीके बदल गए हैं। लेकिन इस कानून में कोई सुधार नहीं हुआ है। इस योजना में लाभार्थियों की संख्या 2011 की जनगणना के आधार पर तय है। जिसके कारण करोड़ों गरीब और ज़रूरतमंद वर्तमान समय में इस योजना के दायरे से बाहर हैं। मनरेगा और खाद्य सुरक्षा कानून के बीच तालमेल नहीं होने से इन दोनों योजनाओं का सामा?जिक और आ?र्थिक ?विकास में बड़ा प?रिवर्तन देखने को नहीं ?मिला। मनरेगा मजदूरी कई राज्यों में न्यूनतम मजदूरी से भी कम है। मजदूर के भुगतान में देरी बड़ी आम बात है। 100 दिन का रोजगार भी इस योजना में नहीं मिल पा रहा था। इसके बाद भी केंद्र सरकार ने जो नया संशोधन किया है। उसके अनुसार 125 दिन रोजगार देने का प्रावधान किया गया है। जब मजदूरी ही समय पर नहीं मिलती है। ऐसी स्थिति में केंद्र सरकार ने 40 फ़ीसदी राशि देने का भार राज्यों पर डाल दिया है। ऐसी स्थिति में मनरेगा की पुरानी योजना तथा जी राम जी की नई योजना दोनों सवालों के घेरे में बनी हुई है। ऐसी स्थिति में खाद्य सुरक्षा प्रणाली पर गरीबों की निर्भरता ?र भी बढ़ जाती है।जरूरी है कि दोनों कानूनों को अलग-अलग नहीं, बल्कि सामाजिक सुरक्षा के लिए संयुक्त रूप से दोनों योजनाओं को एक स्वरूप में देखा जाए। 2027 में जनगणना के आंकड़े ?मिलेंगे, उसके आधार पर योजना का दायरा बढ़ाया जाए। नई जनगणना के आधार पर लाभार्थियों की संख्या बढ़ाई जाए। शहरी गरीबों को भी प्रभावी रूप से इस योजना में शामिल किया जाए। खाद्य सुरक्षा कानून को केवल गेहूं-चावल तक सीमित ना रखकर दाल, तेल और पौष्टिक आहार को सार्वजनिक वितरण प्रणाली को संवैधानिक अधिकार में शामिल किया जाए। कुपोषण की समस्या भारत में दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। 'वन नेशन वन राशन कार्ड' की योजना को ज़मीनी स्तर पर बेहतर ढंग से लागू कर प्रवासी श्रमिकों को वास्तविक राहत दी जाए।

शुभ संवत 2082, शाके 1947, सौम्य गोष्ठ, माघ कृष्ण पक्ष, हेमंत ऋतु, गुरु उदय पूर्वे, शुक्रास्त पूर्वे तिथि प्रतिपदा, सोमवासरे, उत्तराषाढ़ नक्षत्रे, वल योगे, कितुघ्न करणे, मकर की चंद्रमा, मुर्हूत भाव, दान व्रत नियम समाप्त शुक्रोदय पश्चिमे24/25 मूल प्रारंभ रात्रि 12/05 तथापि दक्षिण दिशा की यात्रा शुभ उत्तम होगी7

आज जन्म लिए बालक का फल........

आज जनम लिया बालक, जिद्दी हठी योगी भोगी, कमीशन एजेंट तथा उत्तम वृत्ति वाला, वक्ता, अधिवक्ता, शासकीय, प्रशासक उत्तम व्यापारी, कुशल वक्ता, लेखक कवि, किराना कपड़ा व्यापारी तथा कृषक होगा।

मेष राशि :- धन लाभ आशानुकूल का हर्ष, कार्यवृत्ति में सुधार तथा प्रतिष्ठा अवश्य ही बढ़े।

वृष राशि :- योजनाएं पूर्ण हो, शुभ समाचार से समस्या संभव पूर्ण हो तथा कार्य अवश्य ही बनेंगे।

मिथुन राशि :- कार्य व्यवसाय गति मंद रहे, असमर्थता का वातावरण अवश्य ही बना रहेगा, ध्यान दें।

कर्क राशि :- दैनिक व्यवसाय कार्य व्यवसाय में थकावट तथा बेचैनी, सफलता के साधन जुटाकर चलेंगे।

सिंह राशि :- आलोचना से बचें, कार्य कुशलता से पूर्ण संतुष्ट होवे तथा संतोष होगा।

कन्या राशि :- भोग ऐश्वर्य में समय बीतेगा, शारीरिक थकावट, बेचैनी अवश्य ही बढ़ेगी।

तुला राशि :- व्यवसायिक चिन्ता बनी रहेगी, आशानुकूल सफलता से संतोष होगा, ध्यान दें।

वृश्चिक राशि :- मित्र वर्ग विशेष फलप्रद रहे तथा सुखवर्धक योजनाएं अवश्य ही बनेगी, ध्यान दें।

धनु राशि :- तनावपूर्ण वातावरण चलता रहेगा तथा चिन्ताएं संभव होवे, ध्यान देवे।

मकर राशि :- कार्यवृत्ति में सुधार तथा सामाजिक कार्यों में प्रतिष्ठा सदैव ही अवश्य बनी रहें।

कुंभ राशि :- कार्य व्यवसाय, गति मंद, चोट आदि का भय अवश्य ही बना रहेगा।

मीन राशि :- आशानुकूल सफलता का हर्ष, बिगड़े हुए कार्य बने, तथा योजना बनेगी ध्यान रखे कार्य होगा।

भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 में वर्ष 2018 में केंद्र सरकार द्वारा एक महत्वपूर्ण संशोधन कर धारा 17-ए जोड़ी गई हैं

आधुनिक लोकतंत्रों में सबसे बड़ा भ्रष्टाचार संभवतः नीतिगत फैसलों टेंडर और ठेके,लाइसेंस और अनुमति,खनन,भूमि बुनियादी ढाँचा परियोजनाएँ,रक्षा और सार्वजनिक खरीद में हैं,यदि इन्हीं फैसलों को जांच से बाहर कर दिया जाए,तो भ्रष्टाचार कानून का अस्तित्व ही सीमित हो जाता है -एडवोकेट किशन षणमुख दास भवानी गोंदिया महाराष्ट्र वैश्विक स्तरपर भारत जब अपनी आज़ादी के सौ वर्ष पूरे करने की ओर बढ़ रहा है, तब विज़न 2047 के तहत एक ऐसा राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया गया है जहाँ भ्रष्टाचार के प्रति शून्य सहिष्णुता केवल नारा नहीं, बल्कि शासन का मूल चरित्र हो। लेकिन किसी भी लोकतंत्र में नीतिगत संकल्प तभी सफ़ल होते हैं, जब उन्हें लागू करने वाले कानूनी ढाँचे में विरोधाभास न हों।आज भारत में यही विरोधाभास भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 17-ए के रूप में सामने खड़ा है, जो एक ओर ईमानदार अधिकारियों की सुरक्षा का दावा करती है,तो दूसरी ओर भ्रष्टाचार- मुक्त शासन के लक्ष्य को कमजोर करती प्रतीत होती है।मैं एडवोकेट किशन भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं क़ि भ्रष्टाचार किसी भी लोकतांत्रिक देश के लिए केवल आर्थिक नुकसान का कारण नहीं होता,बल्कि यह जनता केविश्वास संस्थाओं की साख और कानून के राज को भीतर से खोखला कर देता है। विश्व बैंक, ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल और संयुक्त राष्ट्र जैसे वैश्विक मंच बार-बार यह रेखांकित कर चुके हैं कि भ्रष्टाचार सीधे तौर पर गरीबी, असमानता और सामाजिक अशांति को बढ़ाता है।भारत जैसे विकासशील लोकतंत्र में,जहाँ करोड़ों लोग सरकारी योजनाओं और निर्णयों पर निर्भर हैं, वहाँ भ्रष्टाचार का प्रभाव और भी विनाशकारी हो जाता है।भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 को इसी पृष्ठभूमि में बनाया गया था। इसका मूलउद्देश्य था लोकसेवकों को जवाबदेह बनाना रिश्वत,पद के दुरुपयोग और सत्ता के दुराचार को आपराधिक कृत्य घोषित करना,जनता के संसाधनों और अधिकारों की संवैधानिक रक्षा करना।इस अधिनियम की आत्मा यह मानकर चलती थी कि लोकसेवक का पद एक ट्रस्ट है, न कि विशेषाधिकार।वर्ष 2018 में केंद्र सरकार द्वारा इस अधिनियम में एक

महत्वपूर्ण संशोधन किया गया, जिसके तहत धारा 17-ए जोड़ी गई। इस धारा के अनुसार, किसी भी लोकसेवक के खिलाफ उनके आधिकारिक कर्तव्यों के निर्वहन के दौरान लिए गए निर्णयों या की गई सिफारिशों के संबंध में बिना पूर्व अनुमति कोई जांच, पूछताछ या एफआईआर दर्ज नहीं की जा सकती,यह अनुमति संबंधित सरकार या सक्षम प्राधिकारी द्वारा दी जानी होती है।सरकार का तर्क है कि हर दिन अधिकारी ऐसे निर्णय लेते हैं जिनका प्रभाव करोड़ों लोगों पर पड़ता है,हर निर्णय सभी को पसंद नहीं आता,यदि हर असंतुष्ट व्यक्ति एफआईआर दर्ज करा सके, तो इससे प्रशासन ठप हो जाएगा।अधिकारी भय के माहौल में काम करेंगे, जिससे विकास की गति धीमी होगी।सरकार के अनुसार, धारा 17-ए ईमानदार अधिकारियों को राजनीतिक प्रतिशोध से बचाने की एक आवश्यक ढाल है।लेकिन मूल प्रश्नः क्या सुरक्षा के नाम पर जांच पर ताला?यहीं से विवाद शुरू होता है। लोकतंत्र में जांच एजेंसियों की सबसे बड़ी ताकत उनकी स्वतंत्रता होती है। यदि जांच शुरू करने के लिए भी उसी शासन से अनुमति लेनी पड़े, जिसके खिलाफ जांच संभावित है, जिसकी नीतियों और फैसलों में भ्रष्टाचार की आशंका है,तो क्या यह व्यवस्था जांच को निष्पक्ष बना सकती है?आलोचकों का कहना है कि यह प्रावधान जांच एजेंसियों को नाममात्र की स्वतंत्रता देता है और उन्हें कार्यपालिका के अधीन कर देता है।

साथियों बात कर हम नीतिगत भ्रष्टाचारःसबसे बड़ा और सबसे अदृश्य खतरा इसको समझने की करें तो भ्रष्टाचार केवल रिश्वत लेने तक सीमित नहीं है।आधुनिक लोकतंत्रों में सबसे बड़ा भ्रष्टाचार नीतिगत फैसलों में होता है, टेंडर और ठेके,लाइसेंस और अनुमति,खनन, भूमि, बुनियादी ढाँचा परियोजनाएँ,रक्षा और सार्वजनिक खरीद यदि इन्हीं फैसलों को जांच से बाहर कर दिया जाए, तो भ्रष्टाचार कानून का अस्तित्व ही निरर्थक हो जाता है।राजनीतिक संरक्षण और हितों का टकराव-धारा 17-ए का सबसे बड़ा खतरा यह है कि यह राजनीतिक संरक्षण को संस्थागत रूप दे सकती है। यदि किसी मामले में सरकार स्वयं शामिल हो,या उच्च स्तर पर मिलीभगत हो,तो अनुमति मिलने की संभावना न के बराबर रह जाती है। यह स्थिति हितों के टकराव का क्लासिक उदाहरण है।

साथियों बात अगर हम सेंटर फॉर पब्लिक इंटरेस्ट लिटिगेशन द्वारा दायर की गई जनहित याचिका को समझने की करें तो इसी चिंता को लेकर सेंटर फॉर पब्लिक इंटरेस्ट लिटिगेशन ने इस17 ए धारा को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी हैं।याचिका में कहा गया कि यह प्रावधान संविधान के अनुच्छेद 14 (समानता) और अनुच्छेद 21 (न्यायपूर्ण प्रक्रिया) के खिलाफ है।यह भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई को कमजोर करता है।जांच में देरी से साक्ष्य नष्ट हो सकते हैं,गवाह प्रभावित हो सकते हैं। भ्रष्टाचार के मामलों में समय सबसे महत्वपूर्ण तत्व होता है।जैसे-जैसे समय बीतता है,फाइलें बदली जा सकती हैं दस्तावेज गायब हो सकते हैं,डिजिटल सबूत मिटाए जा सकते हैं,गवाहों पर दबाव डाला जा सकता है।यदि जांच शुरू होने में ही महीनों लग जाएं, तो सच्चाई तक पहुँचना लगभग असंभव हो जाता है।शिकायत करने वाले के भीतर डर का माहौल पैदा किया जाता है तो ईमानदार नागरिक भी चुप हो जाता है,इस कानून का एक अप्रत्यक्ष लेकिन गहरा प्रभाव यह भी है कि,ईमानदार अधिकारी, पत्रकार,सामाजिक कार्यकर्ता सरकार के खिलाफ़ शिकायत करने से पहले सौ बार सोचने लगते हैं।यह स्थिति व्हिसलब्लोअर संस्कृति को खत्म कर देती है, जो किसी भी पारदर्शी लोकतंत्र की रीढ़ होती है।

साथियों बात अगर हम 13 जनवरी 2026 को सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने इस मामले में खंडित फैसला सुनाए जाने को समझने की करें तो,एक माननीय जस्टिस ने धारा 17-ए को असंवैधानिक बताते हुए इसे रद्द करने की राय दी।जबकि दूसरे माननीय जस्टिस ने इसे ईमानदार अधिकारियों की सुरक्षा के लिए आवश्यक मानते हुए वैध ठहराया लेकिन लोकपाल/लोकायुक्त की भूमिका के साथ।यह विभाजन अपने आप में बताता है कि यह मुद्दा कितना जटिल और संवेदनशील है।जब सुप्रीम कोर्ट के दो न्यायाधीशों की राय अलग-अलग होती है, तो मामला चीफ जस्टिस के पास जाता है। अब यह विषय बड़ी पीठ तय करेगी किसंविधान का कौन-सा पक्ष अधिक मजबूत है,और लोकतंत्र की दीर्घकालिक ज़रूरत क्या है।

साथियों बात अगर हम इन तीन संभावित रास्तों को समझने की करें तो पहला, धारा 17-ए को पूरी तरह रद्द कर दिया जाए।दूसरा, इसे संशोधित कर सीमित रूप में लागू किया जाए। तीसरा, एक नया संतुलित मॉडल विकसित किया जाए, जिसमें, जांच की स्वतंत्रता भी बनी रहे, और ईमानदार अधिकारियों की सुरक्षा भी सुनिश्चित हो।

साथियों बातें अगर हम इस मामले परवैश्विक दृष्टिकोणः दुनियाँ क्या करती है इसको समझने की करें तो अमेरिका ब्रिटेन, फ्रांस और जापान जैसे देशों में लोकसेवकों के खिलाफ़ जांच के लिए कार्यपालिका की पूर्व अनुमति की शर्त नहीं होती।स्वतंत्र अभियोजन और न्यायिक निगरानी को प्राथमिकता दी जाती है।यही कारण है कि वहाँ नीतिगत भ्रष्टाचार पर भी कार्रवाई संभव हो पाती है। साथियों बात कर हम विजन 2047 और आगे का रास्ता क्या और कैसे होगा इसको समझने की करेंतो,यदि भारत वास्तव में विज़न 2047 के तहत भ्रष्टाचार- मुक्त, पारदर्शी और जवाबदेह शासन चाहता है।

असंतुष्टों की जंग के शिकार

ठंड वैसी नहीं है, जैसी पांच - छह दिन पहले थे।? सूरज ठीक समय पर उग आता है। शिशिर के उतरते जाने से वसंत दृश्य होने लगा है। सुबह सुबह बगीचे की एक ठूंठ पर एक कौआ बैठा था। नीचे मैना का युद्ध चल रहा था। वे पता नहीं किस आपसी दुराव के कारण आपस में गुत्थमगुत्था थीं। शायद वे मनुष्य को देखते देखते उसकी आदतें सीख गई थीं या वे आपस में खेल रहीं थीं। जो भी हो। उन्हें आपस में उठा पटक करते अच्छा नहीं लग रहा था। बगीचे में हजारों पेड़ हैं और सूरज की सुनहरी किरणें उनकी फुनगियों पर झिलमिल कर रही थीं। प्रकृति सौंदर्य का अनंत कोष लिए हर दिन हाजिर रहती है। हम सब परेशान लोग हैं। प्रकृति के सौंदर्य से क्या लेना देना? हमें तो परेशान होना है या परेशान करना है। अपनी गली में ही देखता हूं। कोई गली में पानी गिरा रहा है। कोई घर की गंदगी गली में डाल रहा है। गली का कुत्ता भी कहीं बैठता है तो पूंछ से साफ कर लेता है, लेकिन बहुतेरे मनुष्य इतना भी नहीं कर पाते। जहां मैं रहता हूं, उस तक पहुंचने के लिए बारह फीट की सड़क है। एकाध लोगों को छोड़ कर सबने गली के कुछ हिस्से पर कब्जा जमा रखा है। किसी ने सेप्टिक टैंक बना लिया, किसी ने सीढ़ी बना ली, किसी ने देहरी बढ़ा दी। कोई गाय पाल रहा है और गोबर- मूत्र गली में ही दहा रहा है। पेड़, सूरज की किरणें, चिड़िया, हवा में नाचती पत्तियों में तो सौंदर्य मिल सकता है, लेकिन मनुष्य समाज सौंदर्यहीन हो रहा है।

मनुष्य का सौंदर्य तो करूणा में है। संवेदनशीलता में है। सम्मान और सौहार्द में है, लेकिन मनुष्य में विद्रूपताएं भी बहुत हैं। वह दोनों के बीच झूलता रहता है। अपनी बीबी को टुकड़े टुकड़े कर फ्रिज में डाल दे या किसी ईमानदार पत्रकार को कुटिया कर सेप्टिक टैंक में डाल दे या कोई अपनी बेटी को गंडासे से इसलिए काट दे कि उसने दूसरी जाति के लड़के से शादी क्यों रचा ली या कोई संतान अपने पिता को धकिया कर घर से निकाल दे तो उस समाज में सौंदर्य कितना बचता है? अमानवीयता में कुरूपता है और संवेदना में सौंदर्य है। मनुष्य प्रकृति को खदेड़ता जा रहा है। वह जिसके कारण जीवित है, उसके खिलाफ ही युद्ध ठान रखा है। उसे शुद्ध पानी चाहिए, लेकिन नदी, सागर और तालाब को गन्दा करने में लगा है। शुद्ध हवा चाहिए तो वह जंगल को ही उजाड़ने में लगा है। कचरे और प्रदूषित हवा कारखानों से निकलते हैं और वातावरण को तबाह करते हैं। मनुष्य ने जल, जमीन और जंगल के खिलाफ युद्ध छेड़ रखा है। वह आजकल दूसरे ग्रहों पर जीवन की संभावनाएं ढूंढ रहा है। देश? एक कातर व्यक्ति में संभावनाएं ढूंढ रहा है। अजब गजब खेल चल रहा है। हीन ग्रंथि के शिकार लोग बड़े बड़े पदों पर पहुंच गए हैं और चमचे - बेलचे कसीदे काढ़ रहे हैं। कबीरदास की उल्टी बानी, भींगे कंबल, बरसे पानी। मनुष्य कहीं संतुष्ट नहीं दिखता।

गंदे पानी की सप्लाई पर कांग्रेस का विशाल उपवास

महापौर के गढ़ में ही प्रशासन के खिलाफ फूटा गुस्सा

रतलाम में जहरीले पानी पर संग्राम, भगीरथपुरा जैसी त्रासदी की आहट!

रतलाम। शहर में पिछले कई दिनों से हो रही दूषित जल की आपूर्ति और इंदौर के चर्चित भगीरथपुरा कांड को लेकर रतलाम की जनता के हित में और जनता को जगाने के उद्देश्य से शहर कांग्रेस कमेटी ने प्रदेश सरकार और स्थानीय प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए प्रदर्शन किया।

शहर कांग्रेस अध्यक्ष शांतिलाल वर्मा के नेतृत्व में अलकापुरी चौराहे पर शनिवार को विशाल उपवास और धरना दिया गया, जहाँ उन्होंने भाजपा प्रशासन को भ्रष्टाचारी और लुटेरा% करार दिया। कांग्रेस का आरोप है कि नगर निगम जनता को शुद्ध पानी देने में पूरी तरह नाकाम रहा है, जिससे नागरिकों के स्वास्थ्य पर गंभीर खतरा मंडरा रहा है।

धरना प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस अध्यक्ष शांतिलाल वर्मा ने भाजपा नेताओं के दोहरे चरित्र पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि जब कोमल नगर में बाउंड्रीवाल गिरती है तो भाजपा नेता आत्मदाह की धमकी देते हैं, लेकिन जब शहर की जनता 10 दिनों तक पानी के लिए तरसती है और सीवरेज मिला पानी पीती है, तब उनकी आवाज नहीं निकलती। कांग्रेस ने चेतावनी दी है कि इंदौर के %भगीरथपुरा कांड% जैसी स्थिति रतलाम में पैदा नहीं होने दी जाएगी। कांग्रेस ने महापौर प्रहलाद पटेल के खिलाफ तीखी बयानबाजी करते हुए कहा कि उनके अपने ही क्षेत्र अलकापुरी की जनता दूषित पानी और बदहाली से जूझ रही है। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि प्रशासन की संवेदनशीलता मर चुकी है और वे केवल धर्म के नाम पर वोट लेना जानते हैं। कांग्रेस ने संकल्प लिया है कि जब तक शहरवासियों को शुद्ध पेयजल का अधिकार नहीं मिल जाता, तब तक उनका यह आंदोलन सड़क से सदन तक जारी रहेगा।

तकनीकी कमियों और सीवरेज सिस्टम पर प्रहार

कांग्रेस महामंत्री पारस सकलेचा ने सीवरेज योजना में बरती गई भारी अनियमितताओं और भ्रष्टाचार को उजागर करते हुए इसे जनता के लिए जानलेवा बताया। उन्होंने कहा कि सीवरेज पाइपलाइन में घटिया सामग्री का उपयोग और तकनीकी नियमों की अनदेखी के कारण मल-मूत्र की गंदगी पीने के पानी में मिल रही है। सकलेचा ने मांग की है कि प्रशासन दूषित पानी की पीचई (क्ष॥श्च) लैब में जांच का खर्च खुद उठाए और जल ऑडिट की प्रक्रिया में पारदर्शिता लाए ताकि भगीरथपुरा जैसी त्रासदी दोबारा न हो।

स्थानीय नेतृत्व और जन-आंदोलन की चेतावनी

वरिष्ठ नेत्री यास्मिन शेरानी और अन्य वक्ताओं ने महापौर प्रहलाद पटेल पर निशाना साधते हुए कहा कि जिस क्षेत्र ने उन्हें पार्षद से महापौर बनाया, आज वही क्षेत्र दूषित पानी और बदहाली की मार झेल रहा है। कांग्रेस नेताओं ने जनता से अपने अधिकारों के लिए जागने की अपील की और चेतावनी दी कि यदि जल आपूर्ति में सुधार नहीं हुआ, तो यह आंदोलन और उग्र रूप लेगा। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भाजपा पर धर्म के नाम पर वोट लेने और जनसमस्याओं की अनदेखी करने का आरोप लगाते हुए जमकर नारेबाजी की।

इन्होंने भी व्यक्त किए विचार

मंच से रजनीकांत व्यास, कमरुद्दीन कछवाय, राजीव रावत, सतीश पुरोहित, राकेश झालानी, सलीम बागवान, नासिर कुरैशी, हितेश पैमाल, निलेश शर्मा, शैलेन्द्र अठाना, वाहिद शैरानी, कुसुम चाहर, आशा रावत, रामचंद्र धाकड़ द्वारा संबोधन किया गया।

प्रदर्शन में यह रहे उपस्थित

धरना प्रदर्शन में प्रदीप राठौर, शांतू गवली, महमूद शैरानी, सुजीत उपाध्याय, शाकिर खान, किशन दादा, वीरेंद्र सिंह, रोहित मीणा, डॉक्टर मुस्तफा, सत्यनारायण बैरागी, इक्का बेलूत, विजय उपाध्याय, बसंत पंड्या, मनोज पांडेय, हिम्मत जैतवार, रमेश पोरवाल, विजय पांडिया, शेरू खान, सुमित यादव, हरविंदर सिंह, सोनू व्यास, जगदीश अकोदिया, इकरार चौधरी सहित कई कांग्रेस नेता उपस्थित रहे। धरना प्रदर्शन का संचालन राजीव रावत ने किया।

अतिक्रमण हटाने गए प्रशासन व पुलिस पर पथराव : टीआई की गाड़ी के कांच फोड़े, गोफन चलाए; पटवारी, हेड कॉन्स्टेबल को आई चोट

रतलाम। गिट्टी खदान की जमीन नपती कर कब्जा दिलाने पहुंचे प्रशासन, खनिज विभाग व पुलिस दल पर अतिक्रमण करने वालों ने पथराव कर दिया। कुछ ने गोफन चलाकर भी पत्थर मारे। पथराव में एक टीआई की गाड़ी के कांच फूट गए। एक कॉन्स्टेबल व पटवारी को चोट लगी है।

घटनाक्रम शुक्रवार दोपहर का है। जिले के सरवनी खुर्द में सर्वे नंबर 167 एक दंपती को अलॉट की गई गिट्टी खदान का अतिक्रमण हटाने और कब्जा दिलवाने प्रशासन के अधिकारी, खनिज विभाग व पुलिस टीम के साथ पहुंचे थे। टीम ने अतिक्रमण करने वालों को हटने की समझाइश दी। लेकिन वह लोग नहीं माने। अतिक्रमण करने वालों और उनके साथियों व परिचितों ने हंगामा शुरू कर दिया। देखते ही देखते पथराव कर दिया। कुछ लोगों ने गोफन चलाकर भी पत्थर मारे।

पुलिस की गाड़ी के कांच फूटे-हमले में महिला थाना टीआई रेखा चौधरी की जीप एमपी-03 ए 3678 का आगे और ड्राइवर साइड का कांच फूट गया। दूसरी सरकारी गाडियों पर भी पत्थर लगे। पत्थर लगने से माणक चौक थाने के हेड कॉन्स्टेबल सुधीर राठौर और पटवारी शैलेंद्र व्यास घायल हो गए। राठौर के बांए हाथ की बांह पर चोट लगी है। हाथ के अंदर का मांस फट गया है। जिला अस्पताल में उनकी ड्रेसिंग करवाई गई। पटवारी व्यास के हाथ में भी हल्की चोट लगी है।

कोर्ट के आदेश पर कब्जा दिलाने पहुंचे थे-नायब तहसीलदार मनोज चौहान ने बताया कि सालभर पहले सरवनी खुर्द के सर्वे नंबर 167 की पांच हैक्टेयर जमीन राहुल व पूजा जायसवाल को गिट्टी खदान के लिए 5 हेक्टेयर जमीन अलॉट हुई थी। इस जमीन पर कुछ लोगों ने कब्जा कर रखा है। कई बार कब्जा लेने जाने के बाद भी जब उन्हें कब्जा नहीं मिला तो वो कोर्ट पहुंचे। हाई कोर्ट ने कब्जा दिलवाने के आदेश दिए। इस पर प्रशासन की टीम खनिज विभाग के अधिकारियों व पुलिस बल के साथ नपती कर कब्जा दिलवाने पहुंची। वहां मौजूद लोगों ने नपती नहीं करने दी। समझाइश के बाद भी नहीं माने और पथराव शुरू कर दिया।

5 नामजद समेत 15 से 20 अन्य के खिलाफ केस-डीडी नगर थाना प्रभारी अनुराग यादव ने बताया कि नायब तहसीलदार मनोज चौहान के आवेदन पर पांच लोगों के खिलाफ नामजद व अन्य 15-20 आरोपियों के खिलाफ शासकीय कार्य में बाधा और सरकारी संपत्ति के नुकसान का केस दर्ज किया है। इसमें आरोपी कान्हा पिता वेलजी कटारा, सुरेश पिता भीला मईड़ा, लखन पिता वेलजी कटारा, सांवरिया पिता चंदू गरवाल और पप्पू पिता कान्हा मोरी शामिल है। आरोपी कान्हा, सुरेश और लखन को हिरासत में लिया है। बाकी की तलाश की जा रही है।

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम की बैठक संपन्न

रतलाम। महाप्रबंधक जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र अतुल वाजपेयी ने बताया कि उद्योग संचालनालय मध्यप्रदेश शासन सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विभाग भोपाल के आदेशानुसार अन्य जिलों एवं रतलाम जिले के ग्राम बिलपांक की 2.01 हेक्टेयर अविकसित भूमि के आवंटन हेतु केवल मध्यम उद्योग जिनमें यंत्र संयत्र एवं मशीनरी में निवेश राशि रुपए 25 करोड से अधिक एवं राशि रुपए 125 करोड तक और वार्षिक टर्न ओवर राशि रुपए 500 करोड तक हो, की प्रक्रिया 16 जनवरी पूर्वाह्न 11.00 बजे से 30 जनवरी अपरान्हप 5.00 बजे तक एवं अन्य् जिलों की विकसित भूमि के आबंटन की प्रक्रिया 01 फरवरी पूर्वाह्न 11.00 बजे से 15 फरवरी अपराह्न 5.00 बजे तक विभागीय वेबसाईट www. mpmsme. in पर ईओआई आमंत्रित किये गये है।

पुलिस कार्रवाई : इफ्तार और वसीम को पकड़ा 20 लाख की एमडी ड्रग्स के साथ

रतलाम। पुलिस ने वाहन चेकिंग के दौरान कार्रवाई करते हुए इफ्तार और वसीम को पकड़ा जिनके कब्जे से 200 ग्राम एमडी ड्रग्स मिली। ड्रग्स की कीमत तकरीबन 20 लाख रुपए है, वहीं 5 लाख रुपए नगद भी मिले हैं। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है। मिली जानकारी के अनुसार मुखबिर की सूचना पर थाना प्रभारी रिंगनोद आनंद सिंह आजाद के नेतृत्व में चौकी प्रभारी माननखेडा उप निरीक्षक राजेश मालवीय की टीम द्वारा कार्रवाई की गई। घेराबंदी कर एक स्विफ्ट कार क्र ˜æJ 05JE 0428 को रोका। जिसमें इफ्तार पिता ईकबाल खान जाति मेवाती मुसलमान (25) निवासी ग्राम दाउदखेडी थाना ड्डष्ठ नगर मन्दसौर और वसीम पिता युसूफ खान जाति मीर पठान (25) निवासी ग्राम दाउद खेडी थाना ड्डष्ठ नगर मन्दसौर सवार थे। इनके कब्जे से 200 ग्राम एमडी ड्रग्स जब्त कर आरोपियों को गिरफ्तार किया। आरोपी के कब्जे से 5 लाख रुपए नगद मिले हैं। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है।

इनकी सराहनीय भूमिका-कार्रवाई करने में निरीक्षक आनन्द सिंह आजाद थाना प्रभारी थाना रिंगनोद, उप निरीक्षक राजेश मालवीय चौकी प्रभारी माननखेडी, प्रधान आरक्षक हर्षवर्धन सिंह, आरक्षक घनश्याम कुमावत, संतोष कुमार, अनिल डांगी, सैनिक सुरेश उपाध्याय, जालमसिंह व शांतिलाल बामनिया सायबर सेल से प्रधान आरक्षक मनमोहन शर्मा, आरक्षक मयंक व्यास की सराहनीय भूमिका रही।

खेलो एम पी यूथ गेम की टॉर्च मशाल रिले 20 जनवरी को रतलाम पहुंचेगी

रतलाम। संचानालय खेल और युवा कल्याण विभाग भोपाल द्वारा खेलो एमपी यूथ गेम 2026 का आयोजन चार चरणों में ब्लॉक जिला संभाग एवं राज्य स्तर पर 13 जनवरी से 31 जनवरी तक होगा। राज्य स्तरीय आयोजन प्रदेश के 9 शहर भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर, उज्जैन, रीवा, नर्मदापुरम, सागर, एवं शिवपुरी में आयोजित किये जाएगें। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य एवं खेल मंत्री खेल ओर युवा कल्याण मध्यप्रदेश शासन की उपस्थिति में 13 जनवरी 2026 को खेलों एम पी यूथ गेम्स का शुभंकर एवं एंथम अनावरण किया गया। इस हेतु खेलो एम पी यूथ गेम की टॉर्च मशाल रिले प्रदेश स्तर से विभिन्न जिलो में होते हुए रतलाम जिले में 20 जनवरी को प्रात~ 09~00 बजे पहुंचेगी। जिसमें जिला प्रशासन के साथ समन्वय स्थापित कर टॉर्च मशाल रिले को शासकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय से प्रात~ 09~30 बजे प्रारंभ कर नगर निगम चौराहा, मेहंदीकुई बालाजी, छत्रीपुल, होते हुए नेहरू स्टेडियम पोलो ग्राउंड पर सम्पन्न होगी।

विद्यार्थियों के मनोविज्ञान को समझते हुए शिक्षक अध्यापन कार्य करें - शर्मा

रतलाम। अध्यापन एक कला है जो विद्यार्थियों के मनोविज्ञान को समझते हुए सृजन करना पड़ती है स्थानीय परिस्थितियों और बच्चों की प्रकृति अनुसार उनमें शैक्षिक और नैतिक संस्कारों का प्रादुर्भाव कैसे हो यह ध्यान में रखते हुए शिक्षक गण दायित्व निभाएं बच्चों का मन बहुत कोमल होता है पारिवारिक संघर्ष का गहरा असर उनके मस्तिष्क पर पड़ता है ऐसे में बच्चों का भटकना स्वाभाविक हो जाता है

शिक्षक की भूमिका आरंभ यही से होता है बच्चों के लक्ष्य को निर्धारण करने में हमें उनकी मदद करना होगी इसके लिए हर संभव प्रयास सरकार के साथ-साथ सामाजिक संस्थाओं से सहयोग लेते हुए करना होंगे तभी हमारी आने वाली पीढ़ी समृद्ध और शक्तिशाली बन पाएगी । उपरोक्त विचार स्थानीय एकीकृत माध्यमिक प्राथमिक विद्यालय लक्ष्मणपुरा में अध्ययनरत बालकों को लायंस क्लब रतलाम गोल्ड द्वारा ऊनी वस्त्र वितरण तथा बेड टच गुड टच बालक मनोभाव कार्यक्रम में संबोधित करते हुए शिक्षक सांस्कृतिक मंच के अध्यक्ष तथा लायंस क्लब के पूर्व रीजन चेयरपर्सन दिनेश शर्मा ने व्यक्त किए। आपने कहा कि शिक्षक के सामने बहुत चुनौतियां हैं लेकिन परिवेश परिस्थिति और परिणाम को दृष्टिगत रखते हुए अपना कर्तव्य निभाने वाला शिक्षक ही वास्तविक शिक्षक है। शिक्षक को पढ़ाते समय विद्यार्थियों की मूलभूत आवश्यकताओं पर भी ध्यान केंद्रित करना होगा विशेष कर शैक्षणिक संसाधनों के साथ-साथ व्यक्तिगत परेशानियां समस्याओं का निराकरण भी अपने स्तर पर करते रहना चाहिए तभी हम शिक्षा का मूल उद्देश्य को पूरा कर पाएंगे। इस अवसर पर झोन चेयर पर्सन सरोज ओझा, संतोष जोशी, आरती त्रिवेदी, क्लब अध्यक्ष पुष्पा वासन ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए बच्चों को कड़े परिश्रम से अध्ययन कार्य करने का अनुरोध किया। अतिथियों ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर शुभारंभ किया। बालिकाओं ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की।

अयोध्या में घना कोहरा, जनजीवन प्रभावित

अयोध्या। रामनगरी अयोध्या गुरुवार सुबह घने कोहरे की चादर में लिपटी रही। शहर से लेकर ग्रामीण इलाकों तक कोहरे का असर देखा गया। स्थिति यह रही कि कई स्थानों पर दृश्यता 10 मीटर से भी कम हो गई।

घने कोहरे और बढ़ती गलन के कारण लोगों को कड़ाके की ठंड का सामना करना पड़ा। सुबह के समय सड़कों पर वाहनों की रफ्तार बेहद धीमी रही। राष्ट्रीय राजमार्ग समेत प्रमुख मार्गों पर वाहन चालक हेडलाइट और डीपर जलाकर सावधानीपूर्वक गाड़ियां चलाते नजर आए।

कोहरे के चलते दैनिक कामकाज और यातायात पर असर पड़ा है। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में ठंड और कोहरे की स्थिति बनी रह सकती है। प्रशासन ने वाहन चालकों से सतर्कता बरतने की अपील की है।

विराट रामायण मंदिर आस्था के साथ पर्यटन का भी बनेगा बड़ा केंद्रः मुख्यमंत्री नीतीश कुमार

मोतिहारी । बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शनिवार को मोतिहारी के कतवलिया स्थित निर्माणाधीन विराट रामायण मंदिर परिसर का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने मंदिर परिसर का निरीक्षण किया और भव्य विराट शिवलिंग के दर्शन कर विधिवत पूजा-अर्चना की। मुख्यमंत्री ने मंदिर निर्माण और उससे जुड़े विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि विराट रामायण मंदिर न केवल धार्मिक आस्था का प्रमुख केंद्र बनेगा, बल्कि पर्यटन और स्थानीय विकास को भी नई दिशा देगा। उन्होंने कहा कि ऐसे धार्मिक स्थलों के विकास से क्षेत्र में रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। सरकार धार्मिक स्थलों के संरक्षण, सौंदर्यीकरण और श्रद्धालुओं की सुविधाओं के विस्तार के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी एवं विजय कुमार सिन्हा, मंत्री विजय कुमार चौधरी, सांसद शांभवी चौधरी, बिहार राज्य धार्मिक न्यास परिषद के सदस्य सायन कुणाल सहित कई वरिष्ठ अधिकारी और जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे। दर्शन के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे, जिससे पूरे मंदिर परिसर में भक्तिमय और उत्सव जैसा माहौल बना रहा।

होलकर स्टेडियम में भारत की 7 जीत का रिकॉर्ड

इंदौर । इंदौर के होलकर स्टेडियम में आज भारत और न्यूजीलैंड के बीच वनडे सीरीज का तीसरा और निर्णायक मुकाबला खेला जाएगा। मैच को लेकर शहर में क्रिकेट प्रेमियों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। खास बात यह है कि होलकर स्टेडियम में भारत अब तक खेले गए सभी वनडे मुकाबले जीता है। वहीं मैच को देखते हुए पुलिस ने ट्रैफिक प्लान तैयार किया है। सुबह 10 बजे से ट्रैफिक डायवर्जन शुरू हो जाएगा। इसके साथ ही पुलिस ने यह भी बताया है कि स्टेडियम में दर्शक अपने साथ क्या ले जा सकते हैं और किन वस्तुओं पर प्रतिबंध रहेगा। इस मैच में भारतीय टीम जीत के इरादे से उतरेगी। भले ही भारत दूसरा वनडे न्यूजीलैंड से हार गया हो, लेकिन होलकर स्टेडियम का रिकॉर्ड टीम इंडिया के पक्ष में रहा है, जहां अब तक खेले गए सभी वनडे मैच भारत ने जीते हैं। तीन मैचों की सीरीज फिलहाल 1-1 की बराबरी पर है। ऐसे में भारत इस मुकाबले को जीतकर 2-1 की बढ़त हासिल करते हुए सीरीज अपने नाम करना चाहेगा।

नीमच पुलिस का बड़ा एक्शनः नशे के अवैध कारोबार का भंडाफोड़, दो तस्कर गिरफ्तार, एक फरार

ग्राम खेडी दायमा में सिंथेटिक ड्रग फैक्ट्री पर दबिश, 40 लाख की मादक सामग्री जब्त

नीमच (नरेन्द्र गहलोत)। मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश शासन की अवैध मादक पदार्थों के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस नीति के तहत नीमच पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए नशे के अवैध कारोबार का पर्दाफाश किया है।

पुलिस ने ग्राम खेडी दायमा में दबिश देकर सिंथेटिक ड्रग निर्माण और भंडारण में लिप्त दो तस्करों को गिरफ्तार किया है, जबकि एक आरोपी फरार है। मौके से भारी मात्रा में सिंथेटिक ड्रग, डोडाचूरा, गांजा, नशीली गोलियां तथा ड्रग निर्माण में प्रयुक्त केमिकल और सामग्री जब्त की गई है।

पुलिस अधीक्षक नीमच अंकित जायसवाल के निर्देश पर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नवल सिंह सिसोदिया एवं एसडीओपी मनासा निकिता सिंह के कुशल मार्गदर्शन में 6 थानों एवं पुलिस लाइन की कुल 10 टीमों का गठन कर यह कार्रवाई की गई। दिनांक 16 जनवरी 2025 को थाना मनासा पुलिस ने मुखबिर सूचना के आधार पर ग्राम खेडी दायमा स्थित एक मकान पर दबिश दी, जहां से राहुल पिता नाथूलाल दायमा बंजारा एवं गोविन्द पिता मन्नालाल दायमा बंजारा को गिरफ्तार किया गया। तीसरा आरोपी प्रकाश पिता किशनलाल दायमा बंजारा मौके से फरार हो गया।

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 585 ग्राम सिंथेटिक ड्रग (कीमत लगभग 8.60 लाख रुपये), 60 नग नशीली गोलियां, 2 किलो डोडाचूरा, 450 ग्राम गांजा, एमडी ड्रग बनाने का 30 किलो रॉ मटेरियल (कीमत लगभग 30 लाख रुपये), नोट गिनने की मशीन, छोटे-बड़े इलेक्ट्रॉनिक तौल कांटे एवं करीब 150 किलो एमडी ड्रग निर्माण से जुड़े विशेष अभिलेख जब्त किए हैं। जब्त सामग्री की कुल अनुमानित कीमत लगभग 40 लाख रुपये बताई गई है।

तीनों आरोपियों के विरुद्ध थाना मनासा में अपराध क्रमांक 31/26 धारा 8/15, 8/20, 8/22, 8/28 एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना की जा रही है। पुलिस फरार आरोपी की तलाश में जुटी हुई है और इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की भी जांच की जा रही है।

इस कार्रवाई में थाना मनासा के उप निरीक्षक श्याम कुमावत, सउनि दिलीप कलमोदिया, प्रआर अकीब मेव, मनोहर बैरागी, राघवेन्द्र सिंह, आरक्षक कुशलपाल जाट, विनोद भाटी, पिंकेश, अंकित जोशी एवं महिला आरक्षक सपना शक्तावत का सराहनीय योगदान रहा। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि जिले में नशे के अवैध कारोबार को किसी भी हाल में पनपने नहीं दिया जाएगा।

बैतूल में पंचायत भुगतान पर सवाल, संदिग्ध बिलों से लाखों के खेल की आहट

बैतूल (कमलाकर तायवाड़े)। मध्यप्रदेश के बैतूल जिले के विकासखंड आठनेर अंतर्गत ग्राम पंचायत मोरूढाना में पंचायत भुगतान को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। पंचायत स्तर पर सचिव द्वारा कथित रूप से चहेती फर्मों के माध्यम से संदिग्ध बिल लगाकर लाखों रुपये के भुगतान किए जाने की चर्चाएं सामने आई हैं। ताजा मामला सामने आने के बाद पंचायत व्यवस्था की पारदर्शिता और निगरानी तंत्र पर बड़ा प्रश्नचिह्न लग गया है। जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत सचिव द्वारा बिल क्रमांक 321 के माध्यम से 21 हजार 800 रुपये का भुगतान किया गया। सामग्री भुगतान सामान्य प्रक्रिया का हिस्सा है, लेकिन इस बिल में की गई काट-छांट संदेह को और गहरा करती है। बिल में पहले चेक डेम निर्माण के लिए सामग्री का उल्लेख किया गया था, जिसे बाद में काटकर नाली मरम्मत कार्य दर्शा दिया गया। एक ही बिल में कार्य का इस तरह बदल दिया जाना कई सवाल खड़े करता है कि आखिर यह परिवर्तन क्यों और किस उद्देश्य से किया गया। बिल में दर्शाई गई सामग्री भी संदेहास्पद बताई जा रही है। वेंडर द्वारा गिट्टी, रेता और सीमेंट जैसी सामग्री बेचना सामान्य है, लेकिन बिल में 'सेंट्रिंग सामग्री' एक नग, दर 3000 रुपये दर्शाई गई है। इससे यह सवाल उठ रहा है कि क्या संबंधित वेंडर वास्तव में सेंट्रिंग सामग्री की आपूर्ति करता है या फिर यह केवल कागजों में दिखाया गया भुगतान है। इस सामग्री का वास्तविक उपयोग कहां और किस कार्य में हुआ, इसकी कोई स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आ पाई है। सूत्रों का कहना है कि ग्राम पंचायत मोरूढाना में इस तरह की गड़बड़ियां केवल एक बिल तक सीमित नहीं हैं, बल्कि अन्य कई भुगतान भी संदेह के घेरे में हैं, जिनकी जानकारी जुटाई जा रही है। ऐसे में जनपद पंचायत स्तर के अधिकारियों की भूमिका भी सवालों के घेरे में है। यह भी चर्चा है कि या तो निगरानी में लापरवाही बरती जा रही है या फिर पंचायतों को मौन स्वीकृति देकर 'तुम भी खुश, हम भी खुश' का खेल चलने दिया जा रहा है। बताया जा रहा है कि यह भुगतान पांचवें राज्य वित्त आयोग की राशि से किया गया है। यदि जिला प्रशासन इस मद से हुए कार्यों और भुगतानों की गहन जांच कराए, तो लाखों रुपये के कथित भ्रष्टाचार का खुलासा हो सकता है। अब देखना यह है कि प्रशासन इन गंभीर आरोपों को कितनी गंभीरता से लेता है और पंचायत स्तर पर चल रहे इस कथित खेल पर कब और क्या कार्रवाई करता

शराब पीकर और पिलाकर भारत विश्व गुरु कैसे बन सकता है? - संत उमाकान्त महाराज

खजुराहो के बमीठा में सतसंग के दौरान समाज में बढ़ते अधर्म, नशा और नैतिक पतन पर जताई चिंता

छतरपुर (भरत यादव)। खजुराहो क्षेत्र के बमीठा में आयोजित सतसंग में संत उमाकान्त महाराज ने समाज में बढ़ते नशे, लालच और चरित्र पतन पर गहरी चिंता व्यक्त की। भारी संख्या में उमड़े श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि शराब पीकर और दूसरों को शराब पिलाकर कोई भी देश विश्व गुरु नहीं बन सकता।

जिस देश में नारी और युवा नशे की गिरफ्त में होंगे, जहां लोग होश में नहीं रहेंगे, वह देश न तो धार्मिक कहलाएगा और न ही विश्व का मार्गदर्शक बन सकेगा।

संत उमाकान्त महाराज ने कहा कि समय के साथ परिस्थितियां तेजी से बिगड़ती जा रही हैं। ठगी, लालच और कामवासना समाज में इस कदर बढ़ गई है कि मनुष्य अपनी मां-बहन तक का भेद भूलता जा रहा है। उन्होंने रामचरितमानस की पंक्तियों का उल्लेख करते हुए कहा कि यह वही भूमि है, जहां पराई नारी को मां और बहन तथा पराए धन को विष के समान माना जाता था, लेकिन आज हालात इसके विपरीत हो चुके हैं। बच्चों और बच्चियों का चरित्र लगातार गिरता जा रहा है, जो देश और समाज के लिए गंभीर संकेत है।

उन्होंने कहा कि जब धर्म की हानि होती है, सदाचार और त्याग की भावना समाप्त होने लगती है तथा प्रकृति भी नाराज होती है। समय पर मौसम का संतुलन न रहना इसी का परिणाम है। ऐसे दौर में परमात्मा किसी न किसी महापुरुष को धरती पर भेजते हैं, जो धर्म की स्थापना का कार्य करता है। उन्होंने बताया कि छोटे चींटी से लेकर मनुष्य तक, सभी में परमात्मा की अंश जीवात्मा विद्यमान है और मूल रूप से एक ही धर्म है–मानव धर्म। धर्म की स्थापना पर बोलते हुए संत उमाकान्त महाराज ने कहा कि इतिहास गवाह है कि जब-जब महापुरुष आए, उन्होंने किसी एक वर्ग, जाति या धर्म के लिए नहीं, बल्कि संपूर्ण मानवता के लिए कार्य किया। जब समाज में इंसानियत, सत्य, अहिंसा, परोपकार और सेवा भाव जागृत होता है, तभी सच्चे अर्थों में धर्म की स्थापना होती है। उन्होंने बुद्धिजीवियों से आह्वान किया कि समाज के खान-पान, आचार-विचार और चाल-चलन को सुधारने के लिए गंभीर चिंतन करें, तभी देश सही दिशा में आगे बढ़ सकेगा।

दैनिक हैलो डे

मुंगावली में दो दिन बाद चलेगा अतिक्रमण मुक्त अभियान, जेसीबी से होगी सख्त कार्रवाई

मुंगावली (अलीम डायर)। एसडीएम इसरार खान के निर्देश पर नगर परिषद अलर्ट, शासकीय भूमि व नालियों से हटेगा अवैध अतिक्रमण मुंगावली नगर को अतिक्रमण मुक्त बनाने के उद्देश्य से प्रशासन द्वारा दो दिन बाद विशेष अभियान चलाया जाएगा।

शनिवार को आयोजित बैठक में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व इसरार खान ने मुख्य नगरपालिका अधिकारी विनय कुमार भट्ट को निर्देश दिए कि नगर में अव्यवस्थित रूप से किए गए अतिक्रमण को सख्ती के साथ हटाया जाए। अभियान के तहत शासकीय भूमि पर दुकानों के आगे लगाए गए टीन शेड, नालियों पर रखे पत्थर व अन्य सामग्री, शासकीय भूमि पर दुकान लगाकर सामान बेचने वाले दुकानदारों तथा हाथ ठेले पर अवैध रूप से व्यापार करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन द्वारा नगर में मुनादी कराई जा रही है तथा नगर परिषद के माध्यम से मौखिक सूचना देकर सभी अतिक्रमणकारियों को दो दिन का समय दिया गया है। तय समय सीमा के बाद नगर के प्रत्येक क्षेत्र में प्रशासन पूरे दल-बल एवं जेसीबी मशीन की मदद से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई करेगा। इस दौरान होने वाली किसी भी प्रकार की टूट-फूट की जिम्मेदारी स्वयं अतिक्रमणकर्ता की होगी। एसडीएम इसरार खान के निर्देशानुसार हाथ ठेले पर कपड़ा एवं मनिहारी का व्यवसाय करने वाले दुकानदार नगर परिषद ग्राउंड में अपनी दुकान लगा सकेंगे। वहीं फल एवं सब्जी विक्रेताओं सहित सभी दुकानों तथा प्रत्येक गुरुवार को लगने वाला हाट बाजार पुरानी गल्ला मंडी में लगाया जाएगा। नगर में नियमों के विरुद्ध दुकान लगाने वालों पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी गई है।

नगर परिषद सीएमओ विनय कुमार भट्ट ने बताया कि नगर में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी। इस अभियान में नगर परिषद के अतिक्रमण प्रभारी राशिद खान, संतोष पवार, सफाई दरोगा इकरार खान, वीरू करोसिया सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहेंगे।

अनूपपुर स्टेशन पर एफओबी निर्माण ठप, बैरिकेडिंग से यात्रियों की परेशानी बढ़ी

अनूपपुर (प्रकाश तिवारी)। अनूपपुर रेलवे स्टेशन परिसर में प्लेटफार्म क्रमांक 1 को 3 व 4 से जोड़ने के लिए प्रस्तावित फुट ओवर ब्रिज (एफओबी) एवं लिफ्ट निर्माण कार्य निर्धारित समय-सीमा से काफी पीछे चल रहा है। रेलवे द्वारा इस कार्य को मई माह तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि बीते करीब चार महीनों से निर्माण कार्य पूरी तरह बंद पड़ा हुआ है। अभी तक केवल पिलर निर्माण के लिए गड्ढे ही खोदे जा सके हैं, आगे का कार्य प्रारंभ नहीं हो पाया है। एफओबी निर्माण के लिए प्लेटफार्म पर खोदे गए गड्ढों की बैरिकेडिंग के कारण प्लेटफार्म की चौड़ाई काफी कम हो गई है। इससे यात्रियों की आवाजाही प्रभावित हो रही है। ट्रेन के आगमन और प्रस्थान के समय यात्रियों के चढ़ने-उतरने के दौरान धक्का-मुक्की की स्थिति बन जाती है। विशेषकर कम समय के ठहराव वाली ट्रेनों में भगदड़ जैसे हालात निर्मित हो रहे हैं, जिससे कभी भी बड़ा हादसा होने की आशंका बनी रहती है। प्लेटफार्म क्रमांक 1 से 2 व 3 को जोड़ने वाला पुराना फुट ओवर ब्रिज जर्जर अवस्था में होने के कारण करीब दो वर्ष पूर्व तोड़ दिया गया था। इसके बाद से यात्रियों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। यात्रियों की समस्या को देखते हुए रेलवे ने नए एफओबी के साथ लिफ्ट निर्माण को स्वीकृति तो दी, लेकिन कार्य प्रारंभिक चरण से आगे नहीं बढ़ सका। अनूपपुर जंक्शन स्टेशन होने के कारण यहां से जिले के साथ-साथ छत्तीसगढ़ की ओर जाने वाले यात्रियों की संख्या भी काफी अधिक रहती है। वर्तमान में प्लेटफार्म क्रमांक 2 व 3 पर जाने के लिए यात्रियों को स्टेशन परिसर से लगभग 500 मीटर पैदल चलकर अंतिम छोर पर बने अस्थायी फुट ओवर ब्रिज का सहारा लेना पड़ता है। भारी सामान के साथ यह दूरी तय करना यात्रियों के लिए बेहद कठिन साबित हो रहा है। दिव्यांग और बुजुर्ग यात्रियों के लिए यह परेशानी और भी गंभीर बनी हुई है। एफओबी व लिफ्ट निर्माण के लिए प्लेटफार्म क्रमांक 1, 3 और 4 के बीच पिलर निर्माण हेतु करीब सात माह पूर्व गड्ढे खोदे गए थे, लेकिन अब तक कार्य ठप है। बैरिकेडिंग के कारण सीमित स्थान में यात्रियों के उतरने-चढ़ने से प्रतिदिन अव्यवस्था की स्थिति बनी रहती है। यात्रियों ने रेलवे प्रशासन से जल्द से जल्द निर्माण कार्य शुरू कर समय-सीमा में पूर्ण कराने की मांग की है, ताकि स्टेशन पर यात्री सुविधाएं सुचारु हो

वन विभाग की बड़ी कार्रवाई: 9 जीवित तीतर के साथ तीतर तस्कर गिरफ्तार, भेजा गया जेल

नीमच(नरेंद्र गहलोत) । जिले में वन्यजीवों की अवैध तस्करी के खिलाफ वन विभाग ने बड़ी सफलता हासिल की है। 'ऑपरेशन वाइल्ड ट्रेप-द्धद्ध' के तहत जावद वनपरिक्षेत्र के रतनगढ़ सबरेंज अंतर्गत ताल क्षेत्र में वन विभाग की टीम ने एक तीतर तस्कर को रंगेहाथ गिरफ्तार किया। आरोपी के कब्जे से 9 जीवित तीतर बरामद किए गए हैं।

यह कार्रवाई वनमंडलाधिकारी एस.के. अटोदे, उपवनमंडलाधिकारी दशरथ अखण्ड एवं वनपरिक्षेत्राधिकारी प्रतापलाल गेहलोत के निर्देशन में की गई। वनपाल टीम ने आरोपी संजु पिता मेहकुम पारदी (उम्र 51 वर्ष), निवासी एकता कॉलोनी नीमच, वर्तमान में सिंगोली में रह रहे आरोपी को गिरफ्तार किया। जांच में सामने आया कि आरोपी ने जाल लगाकर तीतरों का शिकार किया था और उन्हें अवैध रूप से बेचने की तैयारी कर रहा था।

वन विभाग को आशंका है कि यह मामला किसी बड़े वन्यजीव तस्करी नेटवर्क से जुड़ा हो सकता है, जहां दुर्लभ पक्षियों को ऊंचे दामों पर बेचा जाता है। विभाग द्वारा यह भी जांच की जा रही है कि आरोपी किसी संगठित गिरोह का हिस्सा तो नहीं है।

आरोपी के विरुद्ध वन अपराध प्रकरण क्रमांक 242/08 दर्ज कर वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 की धारा 2, 9, 39, 50 एवं 51 के तहत कार्रवाई की गई है। मौके से टीवीएस स्टार मोटरसाइकिल (ऋछ-09-स्छ्र-7944) भी जब्त की गई है, जिसका उपयोग अवैध गतिविधियों में किए जाने की आशंका है।

गिरफ्तार आरोपी को माननीय मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, नीमच के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जहां से न्यायालय के आदेश पर उसे कनावटी जेल, नीमच भेज दिया गया।

वन विभाग ने स्पष्ट किया है कि वन्यजीवों के अवैध शिकार और तस्करी में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। 'ऑपरेशन वाइल्ड ट्रेप' के अंतर्गत ऐसे अभियान आगे भी लगातार जारी रहेंगे। वन्यजीव संरक्षण के प्रति विभाग ने अपनी सख्त प्रतिबद्धता दोहराई है।

अखिल भारतीय विधायक गोल्ड कप: दिल्ली ने रीवा को 83 रनों से हराकर सेमीफाइनल में मारी एंट्री

शहडोल (अविनाश शर्मा)। बुढार स्थित स्व. कुशाभाऊ ठाकरे स्टेडियम में खेली जा रही अखिल भारतीय विधायक गोल्ड कप क्रिकेट प्रतियोगिता के तीसरे क्वार्टर फाइनल मुकाबले में लालबहादुर शास्त्री क्रिकेट अकादमी दिल्ली ने शानदार प्रदर्शन करते हुए रीवा की टीम को 83 रनों से पराजित कर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। मैच के टॉस के अवसर पर नगर निरीक्षक विनय सिंह गहरवार, भाजपा जिला उपाध्यक्ष राकेश पांडे एवं बकहो मंडल भाजपा अध्यक्ष धर्मेंद्र दुबे अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। टॉस जीतकर रीवा के कप्तान ने पहले गेंदबाजी का निर्णय लिया, जो टीम के लिए भारी पड़ गया। दिल्ली के बल्लेबाजों ने शुरू से ही आक्रामक रुख अपनाते हुए निर्धारित 20 ओवरों में 8 विकेट के नुकसान पर 251 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। दिल्ली की ओर से अनंतवीर ने 68 रनों की शानदार अर्धशतकीय पारी खेली, वहीं अर्णव बुग्गा ने 41 और प्रियांशु यादव ने 34 रन बनाए। रीवा की ओर से देव गौतम ने 2 विकेट हासिल किए। 252 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी रीवा की टीम दिल्ली के गेंदबाजों के सामने टिक नहीं सकी और निर्धारित ओवरों में 9 विकेट पर 168 रन ही बना सकी। रीवा की ओर से हर्षित ने 49 और देव गौतम ने 48 रनों का संघर्षपूर्ण योगदान दिया। दिल्ली की तरफ से कुमार विनायक ने 3 तथा अर्णव बुग्गा ने 2 विकेट चटकाए। ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए अर्णव बुग्गा को मैन ऑफ द मैच चुना गया, जिन्हें राजन द्विवेदी द्वारा पुरस्कृत किया गया। मैच में अंपायरिंग आनंद त्रिपाठी और नृपेंद्र सिंह ने की, जबकि कमेंट्री कलाम मोहम्मद, अजय द्विवेदी और सुधीर शर्मा ने की। स्कोरिंग की जिम्मेदारी मो. याहया एवं राहुल दुबे ने संभाली। आयोजन समिति के प्रमुख पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष कैलाश विशनानी सहित अन्य सदस्यों की उपस्थिति में मैच सफलतापूर्वक संपन्न हुआ

उप मुख्यमंत्री ने मनासा में जीबीएस को लेकर की समीक्षा बैठक, उपचार व बचाव के दिए सख्त निर्देश

नीमच (नरेन्द्र गहलोत)। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री एवं लोक स्वास्थ्य व चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल शनिवार को नीमच जिले के मनासा पहुंचे, जहां उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों व चिकित्सकों की बैठक लेकर संभावित जीबीएस (गिलियन बेरे सिंड्रोम) मरीजों के उपचार, बचाव एवं सुरक्षा उपायों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में घर-घर स्क्रीनिंग, त्वरित उपचार व्यवस्था और बीमारी की रोकथाम को लेकर आवश्यक निर्देश दिए गए। संभागायुक्त उज्जैन श्री आशीष सिंह ने उप मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि मनासा के सभी वार्डों में स्वास्थ्य विभाग की टीमें घर-घर सर्वे कर सर्दी, खांसी व बुखार के मरीजों को चिन्हित कर रही हैं तथा प्रभावित परिवारों को स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता दी जा रही है। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने बताया कि जिला प्रशासन द्वारा स्क्रीनिंग, सैंपलिंग, निःशुल्क त्वरित उपचार एवं मरीजों के निरंतर फॉलोअप की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने मनासा सिविल अस्पताल में संभावित रोगियों के निःशुल्क उपचार हेतु वेंटिलेटर युक्त पृथक वार्ड स्थापित करने, आवश्यक चिकित्सक व मानव संसाधन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए, ताकि मरीजों को बाहर रेफर न करना पड़े। साथ ही आवश्यक दवाइयों की पर्याप्त उपलब्धता, लाइफ सपोर्ट सिस्टम युक्त एंबुलेंस, मेडिकल कॉलेज नीमच से चिकित्सकों की टीम की तैनाती तथा पीड़ित परिवारों के लिए कंट्रोल रूम स्थापित करने के आदेश भी दिए गए। उन्होंने रोग से बचाव एवं सुरक्षा उपायों का व्यापक प्रचार-प्रसार करने, पानी उबालकर पीने जैसी सावधानियों पर अमल कराने पर विशेष जोर दिया। बैठक में मनासा विधायक श्री अनिरुद्ध मारू, नीमच विधायक श्री दिलीप सिंह परिहार सहित जनप्रतिनिधि एवं वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

भागीरथपुरा की दूषित पानी से मौतों और फ्लोराइड प्रभावित गांवों को लेकर सरकार पर लगाए गंभीर आरोप

आलीराजपुर (मनीष अरोड़ा)। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर जिला कांग्रेस कमेटी के नेतृत्व में शुक्रवार को आलीराजपुर में एकदिवसीय उपवास कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह उपवास मनरेगा में कटौती, योजना के नाम परिवर्तन, इंदौर के भागीरथपुरा क्षेत्र में दूषित पानी से हुई मौतों तथा जिले में गहराते पेयजल संकट के विरोध में रखा गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए आदिवासी विकास परिषद के प्रदेश उपाध्यक्ष महेश पटेल ने कहा कि मनरेगा गरीब और ग्रामीण परिवारों की जीवनरेखा है। केंद्र सरकार द्वारा अनुदान की हिस्सेदारी 90 प्रतिशत से घटाकर 60 प्रतिशत करना योजना को कमजोर करने का प्रयास है। उन्होंने भागीरथपुरा में जहरीले पानी से हुई मौतों को सरकार की लापरवाही बताया और दोषियों पर कार्रवाई व पीड़ितों को न्याय की मांग की।

पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष ओमप्रकाश राठौर ने फ्लोराइड प्रभावित गांवों में शुद्ध पेयजल की तत्काल व्यवस्था, बंद पड़ी नल-जल टंकियों को शीघ्र चालू करने और मनरेगा के अधिकार बहाल करने की मांग की। मांगें पूरी नहीं होने पर आंदोलन तेज करने की चेतावनी दी गई।

उपवास कार्यक्रम में वरिष्ठ कांग्रेस नेता साहनी मकरानी, राजेंद्र टावली, सुरेश सारडा, युवक कांग्रेस जिला अध्यक्ष पुष्पराज रावत पटेल, ब्लॉक अध्यक्ष जोबट अरविंद डावर, मदन डावर, सरदार अजनार, सरपंच कैलाश चौहान, तरुण मंडलोई, कुंवर सिंह खराड़ी, नाथू खराड़ी, सब्बीर बोहरा, सोनू वर्मा, अंगर सिंह चौहान, इरफान मंसूरी, सोमला रावत, बाबू मावी, सविन पटेल, मनीष चौहान, प्रदीप पटेल, लक्की राठौर, धन सिंह, छगन भगत, दिनेश देवका, मुकेश सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

करबला घाट पर माचना नदी पुल का आज भूमिपूजन, बैतूल को मिलेगा 18.43 करोड़ का चार लेन आधुनिक पुल

बैतूल (कमलाकर तायवाड़े)। मध्यप्रदेश के बैतूल जिले के लिए आज का दिन ऐतिहासिक साबित होने जा रहा है। शहरवासियों की वर्षों पुरानी बहुप्रतीक्षित मांग अब साकार रूप लेने जा रही है। बैतूल-खेड़ी मार्ग पर करबला घाट स्थित माचना नदी पर प्रस्तावित पुल का भूमिपूजन आज रविवार 18 जनवरी को किया जाएगा। कार्यक्रम में केंद्रीय राज्यमंत्री श्री दुर्गादास उइके, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं बैतूल विधायक श्री हेमंत खंडेलवाल सहित अनेक जनप्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहेंगे। एसडीओ ब्रिज विभाग के अनुसार इस महत्वाकांक्षी परियोजना की प्रशासकीय लागत 18.43 करोड़ रुपये तय की गई है, जबकि तकनीकी लागत 10.80 करोड़ रुपये निर्धारित की गई है। प्रस्तावित पुल 100 मीटर लंबा और 18.50 मीटर चौड़ा होगा, जिसे चार लेन के रूप में विकसित किया जाएगा। पुल निर्माण कार्य को 18 माह की समय-सीमा में पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है। माचना नदी पर बनने वाला यह पुल क्षेत्रवासियों के लिए बड़ी राहत साबित होगा। बारिश के मौसम में नदी के उफान पर आने से आवागमन पूरी तरह ठप हो जाता था, जिससे आम नागरिकों के साथ-साथ व्यापार, परिवहन और आपात सेवाएं भी प्रभावित होती थीं। पुल निर्माण के बाद यह समस्या स्थायी रूप से समाप्त हो जाएगी। इस पुल के तैयार होने से बैतूल शहर की सीधी कनेक्टिविटी हरदा-इंदौर नेशनल हाईवे और भोपाल-नागपुर नेशनल हाईवे से हो जाएगी। इससे जिले के आर्थिक विकास, व्यापारिक गतिविधियों और यातायात व्यवस्था को नई रफ्तार मिलेगी। स्थानीय नागरिकों में इस परियोजना को लेकर खासा उत्साह है और इसे बैतूल के विकास की दिशा में एक बड़ा और ऐतिहासिक कदम माना जा रहा है।

अच्छे काम पर सम्मान, लापरवाही पर सख्त कार्रवाई तय - कलेक्टर रविंद्र कुमार चौधरी

पिछोर में पंचायत, महिला-बाल विकास एवं स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक, होम डिलीवरी व योजनाओं में लापरवाही पर नाराजगी

शिवपुरी (कुलदीप गुप्ता)। शिवपुरी जिले की जनपद पंचायत पिछोर के प्रांगण में शनिवार को कलेक्टर रविंद्र कुमार चौधरी की अध्यक्षता में ग्राम स्तरीय अधिकारी-कर्मचारियों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला पंचायत सीईओ विजय राज, एसडीएम ममता शाक्य, अतिरिक्त जिला पंचायत सीईओ एन.एस. नरवरिया, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजय ऋषिश्वर, महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला परियोजना अधिकारी डी.एस. जादौन सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान कलेक्टर चौधरी ने विभागवार समीक्षा करते हुए स्पष्ट शब्दों में कहा कि अच्छा कार्य करने वालों को सम्मानित किया जाएगा, वहीं कार्य में लापरवाही बरतने वालों को दंडित भी किया जाएगा। उन्होंने निर्देश दिए कि किसी भी स्थिति में प्रसुताओं की होम डिलीवरी नहीं होनी चाहिए। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं आशा कार्यकर्ता यह सुनिश्चित करें कि सभी गर्भवती महिलाओं को पीएससी या सीएससी केंद्र पर ही प्रसव के लिए ले जाया जाए। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि लापरवाही के कारण किसी नवजात की मृत्यु होती है तो संबंधित कर्मचारी इसके नैतिक दोषी होंगे।

कलेक्टर ने महिला-बाल विकास एवं स्वास्थ्य विभाग को आपसी समन्वय बनाकर कार्य करने के निर्देश दिए और कहा कि दोनों विभागों की जानकारी 'जीरो बैलेंस' में होनी चाहिए। मनरेगा कार्यों की समीक्षा के दौरान ग्राम पंचायत महोबा, डामरौन, दरगवां एवं गुरुकुदवाया में 70 प्रतिशत से कम कार्य पाए जाने पर संबंधित सचिव एवं रोजगार सहायकों को स्पष्टीकरण नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए। वहीं 100 प्रतिशत कार्य पूर्ण करने वाली पंचायत चंदाबनी और नावली की सराहना करते हुए अन्य पंचायतों को भी इसी तर्ज पर कार्य करने के निर्देश दिए।

'एक बगिया मां के नाम' योजना की पंचायतवार समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने अधिक से अधिक पात्र हितग्राहियों को लाभ देने के निर्देश दिए। पडोरा और भडोरा पंचायत के सचिवों द्वारा संतोषजनक जानकारी न देने पर उन्हें फटकार लगाई गई। कलेक्टर ने कहा कि पिछोर एक आकांक्षी ब्लॉक है, इसलिए 70 वर्ष से अधिक आयु के सभी पात्र नागरिकों के आयुष्मान कार्ड शीघ्र बनाए जाएं।

बैठक में यह भी सामने आया कि प्रसूति सहायता एवं जननी सहायता योजना के अंतर्गत लगभग 544 गर्भवती महिलाओं का अनमोल पोर्टल पर पंजीयन न होने के कारण उन्हें लाभ नहीं मिल पा रहा है। इस पर कलेक्टर ने महिला-बाल विकास एवं स्वास्थ्य विभाग को संयुक्त रूप से कार्य कर शीघ्र समाधान करने के निर्देश दिए।

लगातार अनुपस्थित रहने एवं बैठक में गैरहाजिर रहने पर महिला-बाल विकास सुपरवाइजर मुस्कान को निलंबित करने की कार्रवाई के निर्देश दिए गए। वहीं बडेरा पंचायत के सचिव राधेलाल लोधी को संबल योजना के तहत हितग्राही को लाभ न देने के मामले में निलंबन प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर चौधरी ने पंचायत विभाग द्वारा सीएम हेल्पलाइन में शिकायतों के निराकरण पर संतोष व्यक्त करते हुए सराहना की तथा मनरेगा के लंबित कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने के लिए सब इंजीनियरों को निर्देशित किया। जन्म प्रमाण पत्र समय पर बनाए जाने को लेकर भी सचिवों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में जिला पंचायत सीईओ विजय राज ने भी पंचायत स्तर पर संचालित योजनाओं की विस्तृत समीक्षा कर अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश दिए।

बार काउंसिल चुनाव के दूसरे चरण में आजमगढ़ में गरमा-गरमी

3953 अधिवक्ता मतदाता तय करेंगे 25 सदस्यीय बार काउंसिल का भविष्य, 333 प्रत्याशी मैदान में

आजमगढ़ (स्थानीय संवाददाता)। उत्तर प्रदेश बार काउंसिल चुनाव के दूसरे चरण के तहत शनिवार को आजमगढ़ दीवानी न्यायालय परिसर में सुबह 10 बजे से मतदान शांतिपूर्ण ढंग से जारी है। मतदान को लेकर अधिवक्ताओं में खासा उत्साह देखा जा रहा है। बड़ी संख्या में अधिवक्ता अपने मताधिकार का प्रयोग करने न्यायालय परिसर पहुंच रहे हैं, जिससे पूरे दिन चहल-पहल का माहौल बना हुआ है।

चुनाव को लेकर प्रत्याशियों ने कचहरी परिसर के बाहर टेंट लगाकर प्रचार-प्रसार किया और अधिवक्ता मतदाताओं से समर्थन की अपील की। बार काउंसिल के 25 सदस्य पदों के लिए कुल 333 प्रत्याशी मैदान में हैं, जिनमें आजमगढ़ में प्रैक्टिस करने वाले अधिवक्ता बजरंग मिश्रा, किलेंद्र उपाध्याय, शशिकांत पांडेय और विजय प्रताप यादव प्रमुख हैं।जनपद में कुल 3953 अधिवक्ता मतदाता हैं। यह चुनाव एकल संक्रमणीय पद्धति के तहत वरीयता क्रम से कराया जा रहा है और पूरी प्रक्रिया इलाहाबाद हाईकोर्ट की निगरानी में संपन्न हो रही है। प्रत्याशियों और उनके समर्थकों की सक्रियता से न्यायालय परिसर में चुनावी माहौल बना रहा।

स्लग : समाजसेवी बसंत अग्रवाल के जन्मदिवस पर श्याम बाबा महोत्सव

रायपुर (प्रभाकर श्रीवास्तव)। समाजसेवी एवं हनुमान भक्त बसंत अग्रवाल के जन्मदिवस के अवसर पर रायपुर में श्री श्याम बाबा महोत्सव का भव्य आयोजन किया जाएगा। इस संबंध में मारुति मंगलम भवन, गुढ़ियारी में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में बसंत अग्रवाल ने जानकारी दी। उन्होंने बताया कि रामजानकी प्राण प्रतिष्ठा वार्षिक महोत्सव के अंतर्गत श्री हनुमान मंदिर ट्रस्ट, गुढ़ियारी द्वारा यह धार्मिक आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम मारुति मंगलम भवन, गुढ़ियारी में आयोजित होगा। महोत्सव में मुंबई से प्रमोद त्रिपाठी, जयपुर से रजनी राजस्थानी सहित रायपुर के भजन गायक राजू महाराज 'पागल' और विनय अग्रवाल भजन प्रस्तुत करेंगे। संध्या 5 बजे से विशाल भंडारा एवं शाम 6 बजे से श्याम बाबा महोत्सव आयोजित होगा। आयोजन समिति ने श्रद्धालुओं से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की है।

हर शनिवार श्रमदान का संकल्प, नर्मदेश्वर महादेव मंदिर से शुरू हुआ स्वच्छता अभियान

रिवरव्यू कॉलोनी के नागरिकों ने स्वच्छता को बनाया संस्कार, जनभागीदारी से पेश की मिसाल

नर्मदापुरम (गजेंद्र राजपूत)। स्वच्छता को केवल सरकारी जिम्मेदारी न मानते हुए रिवरव्यू कॉलोनी के रहवासियों ने इसे सामाजिक संस्कार के रूप में अपनाने का संकल्प लिया है।

रिवर व्यू कल्चरल फाउंडेशन सोसाइटी के तत्वावधान में शनिवार सुबह कॉलोनी में स्वच्छता अभियान चलाया गया, जिसकी शुरुआत नर्मदेश्वर महादेव मंदिर परिसर में वंदन एवं प्रार्थना के साथ हुई। इसके बाद कॉलोनीवासियों ने झाड़ू, फावड़ा और डस्टबिन लेकर सड़कों, घरों के सामने, उद्यानों एवं सार्वजनिक स्थलों की साफ-सफाई की।

अभियान का संचालन सेवानिवृत्त अधिकारी एवं समिति के संरक्षक संतोष शर्मा के मार्गदर्शन में किया गया। उन्होंने कहा कि स्वच्छता एक दिन का कार्यक्रम नहीं, बल्कि निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है, जिसमें समाज के हर वर्ग की भागीदारी जरूरी है। अभियान में

वार्ड पार्षद जीतू तिवारी ने स्वयं श्रमदान कर नागरिकों का उत्साह बढ़ाया और निरंतर सहयोग का आश्वासन दिया। इस अभियान में सेवानिवृत्त अधिकारी, शासकीय कर्मचारी, युवा वर्ग और महिलाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कॉलोनी से बड़ी मात्रा में कचरा एकत्र कर स्वच्छ वातावरण तैयार किया गया। समिति ने निर्णय लिया कि अब प्रत्येक शनिवार को सामूहिक श्रमदान किया जाएगा, जिससे रिवरव्यू कॉलोनी को स्वच्छ, सुंदर और आदर्श बनाया जा सके।

स्वच्छता अभियान में के.एन. त्रिपाठी, अंकुर बिल्लोरे, राकेश मालवीय, राधेश्याम अरमा, सुधीर लुटारे, शिवशंकर पगारे, योगेश पवार, लोकेश साहू, सुधीर राठौर, एस.आर. मालवीय, आर.के. पाठक, हेमंत सोलंकी, नीता सोनी, पुष्पा पाठक, प्रभात भट्ट, सरिता लुटारे, पूर्णिमा त्रिपाठी, प्रीति खरे सहित अनेक जागरूक नागरिकों की सक्रिय सहभागिता रही। कार्यक्रम के अंत में सभी नागरिकों ने संकल्प लिया कि वे न केवल अपनी कॉलोनी बल्कि पूरे नर्मदापुरम शहर को स्वच्छ, सुंदर और स्वस्थ बनाने में निरंतर योगदान देंगे।

कलाकारों ने दिये विंटर फिटनेस टिप्स

सर्दियों की ठिठुरती सुबहें और शूटिंग के पहले कॉल टाइम- ऐसे में फिटनेस रूटीन बनाए रखना आसान नहीं होता। इसके बावजूद एण्डटीवी के कलाकार अपने रोज़मर्रा के छोटे-छोटे प्रयासों से खुद को फिट और चुस्त बनाए हुए हैं'घरवाली पेड़वाली' में जीतू का किरदार निभा रहे पारस अरोड़ा कहते हैं, ''सर्दियों में सुबह जल्दी उठना मुश्किल ज़रूर है, लेकिन जब फिटनेस आदत बन जाती है तो शरीर खुद ही एक्टिव रहना चाहता है। हर दिन जिम जाना मुमकिन नहीं होता, लेकिन मैं रोज़ कम से कम 20 मिनट स्ट्रेचिंग और हल्की कसरत के लिए ज़रूर निकालता हूँ। 'हप्पू की उलटन पलटन' में मलाइका की भूमिका निभा रहीं सोनल पंवार बताती हैं, 'सच कहूँ तो ठंड में सुबह-सुबह बिस्तर छोड़ना अपने आप में एक वर्कआउट जैसा लगता है । लेकिन जैसे ही खुद को हिलने-डुलने के लिए तैयार कर लेती हूँ, तुरंत ताज़गी महसूस होती है। मैं घर पर ही छोटा-सा वर्कआउट करती हूँ जिसमें कार्डियो, कोर एक्सरसाइज़ और थोड़ा योग शामिल होता है। 'भाबीजी घर पर हैं' में विभूति नारायण मिश्रा की भूमिका निभा रहे आसिफ शेख का कहना है, ''फिटनेस को लेकर अक्सर लोगों की सोच सीमित होती है। मेरी सुबह योग, प्राणायाम और हल्की स्ट्रेचिंग से शुरू होती है, जिससे शरीर लचीला रहता है और मन शांत रहता है।

फिल्म का हिस्सा होना ज़रूरी था

अपनी पिछली फिल्म द बा ड्स ऑफ बॉलीवुड से पहचान बनाने वाली अन्या सिंह अब देशभक्ति से भरपूर फिल्म बॉर्डर 2 में नजर आने वाली हैं। आन्या के लिए यह फिल्म सिर्फ एक सिनेमाई प्रोजेक्ट नहीं, बल्कि भावनाओं और गर्व से जुड़ा एक खास अनुभव है। आन्या के दादा भारतीय सेना में सेवा दे चुके हैं और वे उनके सबसे बड़े समर्थक रहे हैं। ऐसे में बॉर्डर 2 उनके लिए देश और अपने दादा को सम्मान देने का एक मौका बन गई।आन्या कहती हैं कि यह उनके लिए थोड़ा भावुक पल था, लेकिन साथ ही बेहद खास भी। उनके मुताबिक, बहुत कम मौकों पर ऐसा होता है जब आप उन लोगों को कुछ लौटा सकें जिन्होंने देश के लिए इतना कुछ किया हो। उन्होंने कहा कि हर सैनिक निस्वार्थ, बहादुर और सम्मान के काबिल होता है, और इस फिल्म का हिस्सा बनकर उन्हें ऐसा लगा जैसे वे अपने दादा और सेना को कुछ लौट पा रही हैं।

धनपुरी बनेगी प्रदेश की पहली डीकार्बोनाइजेशन सिटी, सीएमओ पूजा बुनकर सम्मानित

शहडोल (अविनाश शर्मा)। अखिल भारतीय स्थानीय स्वशासन संस्थान केंद्र, नई दिल्ली में आयोजित डिकार्बोनाइजेशन भारतीय शहर संवाद एवं विशेष प्रशिक्षण कार्यशाला में शहडोल जिले की धनपुरी नगर परिषद को बड़ी उपलब्धि मिली है। नगर विकेंद्रीकरण पहल के तहत उत्कृष्ट कार्य करने पर धनपुरी की मुख्य नगरपालिका अधिकारी सुश्री पूजा बुनकर को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) के भारतीय देश प्रमुख एवं सलाहकार श्री हितेश वैद्य ने धनपुरी नगर परिषद के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि धनपुरी जैसे छोटे शहर के स्थानीय निकाय भी देश और विश्व के लिए प्रेरणास्त्रोत बन रहे हैं। उन्होंने कार्बन उत्सर्जन को कम करने की दिशा में धनपुरी द्वारा किए जा रहे नवाचारों को सराहनीय बताया। मुख्य नगरपालिका अधिकारी सुश्री पूजा बुनकर ने बताया कि नगर परिषद धनपुरी ने शून्य कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य शत-प्रतिशत प्राप्त करने का संकल्प लिया है। प्रशिक्षण कार्यशाला से प्राप्त ज्ञान और अनुभव का उपयोग नगर के समग्र विकास में किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में धनपुरी नगर परिषद को प्रदेश की पहली डीकार्बोनाइजेशन सिटी के रूप में विकसित किया जाएगा, जिससे पर्यावरण संरक्षण के साथ सतत विकास को भी बढ़ावा

विशिष्ट विद्यालयों की समीक्षा बैठक में शत-प्रतिशत परीक्षा परिणाम का लक्ष्य तय

श्योपुर (जेपी शर्मा)। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा के मार्गदर्शन में शुक्रवार को सीईओ जिला पंचायत सुश्री सौम्या आनंद की अध्यक्षता में जिले के विशिष्ट विद्यालयों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में बोर्ड परीक्षाओं में शत-प्रतिशत परिणाम सुनिश्चित करने का लक्ष्य निर्धारित करते हुए शैक्षणिक गुणवत्ता पर विशेष जोर दिया गया। बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी, जिला स्तरीय उत्कृष्ट विद्यालय श्योपुर, सांदीपनी विद्यालय श्योपुर, पहेला एवं विजयपुर के प्राचार्य, विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्य तथा शिक्षा विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे। सीईओ जिला पंचायत सुश्री सौम्या आनंद ने निर्देश दिए कि प्राचार्य प्रतिदिन पढ़ाए गए पाठ्यक्रम की समीक्षा करें तथा कमजोर विद्यार्थियों की पहचान कर उनके लिए विशेष कक्षाओं का आयोजन किया जाए, ताकि परीक्षा परिणाम बेहतर हो सकें। उन्होंने सांदीपनी विद्यालय श्योपुर, विजयपुर एवं पहेला के भवन निर्माण कार्य आगामी शिक्षा सत्र से पूर्व पूर्ण कराने के निर्देश भी दिए। वहीं उत्कृष्ट विद्यालय श्योपुर की क्षतिग्रस्त बाउंड्रीवॉल एवं कक्षों की माइनर रिपेयरिंग विद्यालय में उपलब्ध बजट से कराने के निर्देश दिए गए। उत्कृष्ट विद्यालय श्योपुर का भवन पुराना होने एवं पर्याप्त पहुंच मार्ग न होने की समस्या को देखते हुए शहर से बाहर नवीन भवन निर्माण हेतु प्राचार्य द्वारा प्रस्ताव जिला शिक्षा अधिकारी को भेजने के निर्देश भी बैठक में दिए गए। बैठक में शैक्षणिक व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।

नाबालिग आत्महत्या मामला: कार्रवाई नहीं होने से ग्रामीणों का आक्रोश, पुलिस अधीक्षक को सौंपा ज्ञापन

गुना (रणधीर चंदेल) । गुना जिले के आरोन थाना क्षेत्र अंतर्गत देहरी कला गांव में विगत दिनों एक नाबालिग द्वारा आत्महत्या किए जाने के मामले में उकसाने वालों पर अब तक कार्रवाई नहीं होने से ग्रामीणों में रोष व्याप्त है। शनिवार को पीड़ित परिवार के साथ बड़ी संख्या में ग्रामीण एकत्रित होकर पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचे और ज्ञापन सौंपकर दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि शादीन खान सहित अन्य लोग गांव में जुआ, रंगदारी और जमीन व मोटरसाइकिल गिरवी रखकर मोटे ब्याज पर रकम वसूलने जैसी अवैध गतिविधियों में संलिप्त हैं, जिससे गांव में आतंक और भय का माहौल बना हुआ है। साथ ही देहरी कला बीट प्रभारी करन भदौरिया की जांच पर संदेह जताते हुए उन्हें जांच से हटाकर किसी अन्य अधिकारी को निष्पक्ष जांच सौंपने की मांग की गई। इस दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

सिरमौर-डभौरा मार्ग पर अव्यवस्थाओं की भरमार, बिजली खंभों की मनमानी और पैचिंग कार्य में 8 करोड़ के घोटाले के आरोप

311 करोड़ की प्रस्तावित सड़क से पहले ही खड़े कर दिए खंभे, पैचिंग के नाम पर करोड़ों की बंदरबांट का आरोप

रीवा(सुभाष मिश्रा) । जिले का सिरमौर-डभौरा सड़क मार्ग इन दिनों गंभीर अव्यवस्थाओं और भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर चर्चा में है। एक ओर जहां राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण से पूर्व ही बिजली विभाग द्वारा सड़क के बेहद समीप बिजली खंभे लगाए जा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर इसी मार्ग पर कराए गए पैचिंग कार्य में करीब 8 करोड़ रुपये के घोटाले के आरोप लगाए जा रहे हैं।

जनपद पंचायत जवा की संचार निर्माण समिति के अध्यक्ष प्रवल पाण्डेय एवं समाजसेवियों ने बिजली विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए नाराजगी जताई है। उनका कहना है कि 311 करोड़ रुपये की लागत से लगभग 40 किलोमीटर लंबी सड़क का निर्माण प्रस्तावित है, इसके बावजूद ठेकेदारों द्वारा सड़क से मात्र 4 से 5 फीट की दूरी पर बिजली खंभे गाड़े जा रहे हैं। जबकि सड़क के दोनों ओर पर्याप्त जगह उपलब्ध है। उन्होंने चेतावनी दी कि सड़क निर्माण शुरू होते ही इन खंभों को हटाना पड़ेगा, जिससे शासन को करोड़ों रुपये का अतिरिक्त नुकसान उठाना पड़ेगा।

इसी मार्ग पर कराए गए पैचिंग कार्य को लेकर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। आरोप है कि करीब 8 करोड़ रुपये की लागत के बावजूद धरातल पर मात्र 1 से 1.5 करोड़ रुपये का ही कार्य नजर आता है। जगह-जगह अधूरी और नाममात्र की पैचिंग कर कार्य बंद कर दिया गया, जिससे सड़क आज भी जर्जर हालत में है। खराब सड़क के कारण दुर्घटनाओं में वृद्धि हो रही है और ग्रामीणों में भारी आक्रोश है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि शासन-प्रशासन द्वारा निष्पक्ष जांच कराई जाए तो बिजली खंभों की मनमानी और सड़क पैचिंग में हुए कथित घोटाले की सच्चाई सामने आ सकती है।

पुलिस लाइन सागर में निःशुल्क मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर, 250 पुलिसकर्मी व परिजन लाभान्वित

पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में आईएमए की सराहनीय पहल, समग्र स्वास्थ्य पर रहा विशेष फोकस

सागर (अनुराग शर्मा)। पुलिस अधीक्षक विकाश कुमार शाहवाल के निर्देशन में पुलिसकर्मियों एवं उनके परिवारजनों के स्वास्थ्य संरक्षण को प्राथमिकता देते हुए पुलिस लाइन सागर में निःशुल्क मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) सागर एवं स्वास्थ्य विभाग सागर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हुआ, जिसका उद्देश्य पुलिस सेवा की व्यस्त एवं चुनौतीपूर्ण दिनचर्या के बीच स्वास्थ्य समस्याओं की समय रहते पहचान कर निवारक उपचार सुनिश्चित करना रहा।

स्वास्थ्य शिविर में लगभग 250 पुलिसकर्मियों एवं उनके परिवारजनों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। शिविर के दौरान हृदय रोग, मधुमेह, उच्च रक्तचाप सहित अन्य गैर-संक्रामक रोगों के जोखिम कारकों का आकलन किया गया। जांच के अंतर्गत रक्तचाप, रक्त शर्करा, कोलेस्ट्रॉल, विटामिन डी-3 स्तर, नेत्र परीक्षण के साथ-साथ मानसिक स्वास्थ्य परामर्श भी प्रदान किया गया, जिससे समग्र स्वास्थ्य देखभाल सुनिश्चित हो सके।

शिविर का निरीक्षण अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक लोकेश कुमार सिन्हा, नगर पुलिस अधीक्षक ललित कश्यप एवं आर.आई. नीतेश वायकर द्वारा किया गया। अधिकारियों ने इस जनहितकारी पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन पुलिस बल के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

आईएमए सागर के अध्यक्ष डॉ. तल्हा साद ने बताया कि पुलिसकर्मी निरंतर कठिन, तनावपूर्ण एवं जिम्मेदार ड्यूटी में व्यस्त रहते हैं, जिसके कारण वे अपने एवं परिवार के स्वास्थ्य की नियमित जांच नहीं करा पाते। इसी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए यह शिविर आयोजित किया गया है। उन्होंने भविष्य में भी ऐसे निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर नियमित रूप से आयोजित करने का आश्वासन दिया।

शिविर में सिविल सर्जन डॉ. आर.एस. जयंत, डॉ. जी.एस. चौबे, डॉ. राजेंद्र चौदह, डॉ. जितेंद्र सराफ, डॉ. अरुण सराफ, डॉ. अशोक सिंघाई, डॉ. ललिता पाटिल, डॉ. ब्रजेश यादव, डॉ. सुमना खान, डॉ. संदीप गौतम, डॉ. प्रवीण खरे, डॉ. विनयदीप सहित अनेक चिकित्सकों ने निःस्वार्थ भाव से सेवाएं प्रदान कीं। पुलिस बल एवं उनके परिजनों ने इस पहल की मुक्तकंठ से सराहना करते हुए भविष्य में भी ऐसे स्वास्थ्य शिविर नियमित रूप से आयोजित किए जाने की आवश्यकता जताई।

चाकघाट में सराफा व्यापारी के यहां जीएसटी का बड़ा छापा, 12 सदस्यीय टीम ने खंगाले दस्तावेज

कर चोरी की आशंका पर सतना जीएसटी विभाग की कार्रवाई दूसरे दिन भी जारी, व्यापारियों में हड़कंप

रीवा (सुभाष मिश्रा)। रीवा जिले के त्योंथर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत चाकघाट कस्बे में उस समय हड़कंप मच गया, जब सतना जीएसटी विभाग की 12 सदस्यीय टीम ने एक सराफा व्यापारी के प्रतिष्ठान पर छापेमारी की। यह कार्रवाई कर चोरी की आशंका के चलते की गई है, जो लगातार दूसरे दिन भी जारी रही।

प्राप्त जानकारी के अनुसार जीएसटी विभाग की टीम ने व्यापारी के प्रतिष्ठान में मौजूद बिल-बुक, खरीद-बिक्री से जुड़े दस्तावेज, टैक्स रिटर्न, स्टॉक रजिस्टर सहित अन्य महत्वपूर्ण कागजातों की गहन जांच शुरू की है। टीम द्वारा स्टॉक का भौतिक सत्यापन करते हुए उसे कागजी रिकॉर्ड से मिलान किया जा रहा है।

छापेमारी के दौरान प्रतिष्ठान पर कड़ी निगरानी रखी गई है और आवश्यक दस्तावेजों को जब्त कर विस्तृत जांच की जा रही है। विभागीय सूत्रों का कहना है कि प्रारंभिक जांच में कुछ अनियमितताओं की आशंका जताई जा रही है, हालांकि अंतिम निष्कर्ष जांच पूरी होने के बाद ही सामने आएगा।

जीएसटी विभाग की इस कार्रवाई से चाकघाट सहित आसपास के व्यापारिक क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल है। व्यापारी वर्ग पूरे घटनाक्रम पर नजर बनाए हुए है। विभागीय अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि जांच निष्पक्ष रूप से की जा रही है और दोष पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं प्रधान संपादक अजय पाल मो. 9754915315 द्वारा ईशान ग्राफिक्स, 320-एम फर्स्ट अयोध्यानगरी, नंदानगर इन्दौर से मुद्रित एवं 268/2, मालवीय नगर, प्रेस कॉम्प्लेक्स के पीछे इन्दौर से प्रकाशित, प्रधान , संपादक-नितिन इंगले मो. 78289 18123, प्रबंध संपादक-संजयसिंह शिन्दे मो: 8818811336 सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इन्दौर रहेगा।